NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित
वर्ष: 15 अंक: 158 लखनऊ, गुरुवार 29 जनवरी 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर प्रधानमंत्री मोदी ने शरद पवार से बात की, कल होगा अंतिम संस्कार

एजेंसी।
महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान दुर्घटना में निधन हो गया, जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने शरद पवार से बात कर संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है, और अजित पवार का अंतिम संस्कार कल बारामती में किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर एनसीपी–एससीपी प्रमुख शरद पवार से बात की और अपनी संवेदना व्यक्त की। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का अंतिम संस्कार गुरुवार को सुबह 11 बजे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भी इसमें शामिल होने की संभावना है। अजित पवार के पार्थिव शरीर को विद्या प्रतिष्ठान मैदान ले जाया गया है ताकि जनता उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दे सके। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर राज्य में अवकाश और तीन दिन के शोक की घोषणा की। आज सुबह विमान दुर्घटना में उनका निधन हो गया। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पवार के अंतिम संस्कार के संबंध में निर्णय उनके परिवार से परामर्श के बाद लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमने राज्य में अवकाश घोषित किया है और तीन दिन के शोक की घोषणा भी की है। यह पूरे महाराष्ट्र राज्य के लिए एक अपूरणीय क्षति है।अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए फडणवीस ने कहा कि पूरे महाराष्ट्र में शोक की लहर है। उन्होंने पवार को एक मेहनती नेता के रूप में याद किया और राज्य के लिए उनके योगदान को सराहा। इस दुखद घटना को व्यक्तिगत क्षति

बताते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अजित दादा एक मेहनती नेता थे और किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं हुए। महाराष्ट्र के लिए यह एक कठिन दिन है। ऐसे नेतृत्व को विकसित होने में समय लगता है। महाराष्ट्र के विकास में उनका बहुत बड़ा योगदान था। उनका निधन स्तब्ध कर देने वाला है और मेरे लिए यह एक व्यक्तिगत क्षति हैय एक मित्र मुझे छोड़कर चला गया। परिवार के लिए यह बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने आगे कहा कि एकनाथ शिंदे और मैं जल्द ही बारामती के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और अमित शाह जी ने मुझसे इस बारे में बात की है और दोनों ने इस घटना पर अपना दुख व्यक्त किया है। इस घटना से पूरे महाराष्ट्र में शोक की लहर दौड़ गई है। परिवार से चर्चा के बाद उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था की जाएगी। मैंने सुप्रिया ताई (सुप्रिया सुले) और पार्थ पवार से बात की है। बारामती पहुँचने के बाद हम परिवार के सदस्यों से बात करेंगे और फिर उनके अंतिम संस्कार के बारे में कुछ निर्णय लेंगे।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री का निधन सीएम योगी बोले- हृदय विदारक घटना, अखिलेश-मायावती ने भी जताया शोक

लखनऊ
विमान हादसे में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन ने राजनीतिक जगत को हिलाकर रख दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित बसपा सुप्रीमो मायावती व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी उनके निधन पर शोक जताया है।महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन हो गया। इस घटना ने राजनीतिक जगत को हिलाकर रख दिया। हादसे में चार अन्य लोगों की भी जान चली गई। निजी विमान एयरपोर्ट पर उतरते समय क्रैश हुआ है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पर कहा कि महाराष्ट्र के बारामती में हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार एवं अन्य सदस्यों का निधन अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिवार को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। अजित पवार के निधन पर बसपा सुप्रीमो उप–मुख्यमंत्री तथा महाराष्ट्र की परिवार तथा उनकी पार्टी के लोगों

मायावती व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी शोक व्यक्त किया है और श्रद्धांजलि दी। बसपा सुप्रीमो ने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि महाराष्ट्र के राजनीति के दिग्गज नेताओं में से एक नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार का आज बारामती में विमान हादसे में हुई मौत अति–दुखद है। उनके के प्रति मेरी गहरी संवेदना। कुदरत उन सबको इस दुख को सहन करने की शक्ति दे।

अखिलेश बोले शंकराचार्य के साथ जो हुआ वह अनिष्टकारी घटना, भाजपा ने अनादि काल से तोड़ी है सनातनी परंपरा

संवाददाता
लखनऊ सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने माघ मेले विवाद में भाजपा को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि सरकार ने कई पर सनातनी परंपरा तोड़ी है। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है। जगद्गुरु शंकराचार्य का तीर्थराज प्रयाग की धरती पर माघ मेले को बिना पवित्र स्नान किये छोड़कर जाना अत्यंत अनिष्टकारी घटना है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज इससे आहत ही नहीं बल्कि अनिश्चित भय से आशंकित है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद में रखा सरकार का एजेंडा, गिनाई उपलब्धियां, दिया विकसित भारत का मंत्र

एजेंसी।
दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र के आरंभ में संसद को संबोधित करते हुए सरकार की सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने पिछले दशक में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार जैसी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए बजट सत्र 2026–27 के पहले दिन सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और विकसित भारत के लिए केंद्र सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। राष्ट्रपति ने लोकसभा कक्ष में दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित किया, जो 18वीं लोकसभा के सातवें सत्र और राज्यसभा के 270वें सत्र के उद्घाटन दिवस पर एक साथ उपस्थित थे।अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्हें संसद को संबोधित करते हुए प्रसन्नता हो रही है और उन्होंने याद दिलाया कि पिछला वर्ष भारत की तीव्र प्रगति और समृद्ध विरासत का जश्न मनाने के लिए यादगार रहा। उन्होंने उल्लेख किया कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे देश में मनाए गए, जिसमें नागरिकों ने बंकिम चंद्र चटर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।मुर्मू ने कहा कि देश ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस मनाया। बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर

पर पूरे देश ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और आदिवासी समुदाय के प्रति उनके योगदान को याद किया। सरदार पटेल की 150वीं जयंती से संबंधित कार्यक्रमों ने श्एक भारत श्रेष्ठ भारतश की भावना को और मजबूत किया। पूरे देश ने देखा कि भारत रत्न भूपेन हजारिका की जयंती समारोह ने देश को संगीत और एकता की भावना से भर दिया। जब देश अपने पूर्वजों के योगदान को याद करता है, तो नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है, जिससे श्विकसित भारतश की ओर हमारा सफर और भी तेज हो जाता है।सामाजिक न्याय पर जोर देते हुए राष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि बाबासाहेब अंबेडकर ने समानता और सामाजिक न्याय पर निरंतर बल दिया, जो संविधान में निहित मूल्य हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के अपने पूर्ण अधिकार मिलने चाहिए। मेरी सरकार सच्चे सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि इसके परिणामस्वरूप, पिछले दशक में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और सरकार के तीसरे कार्यकाल में गरीबों को सशक्त बनाने के प्रयासों को और तेज किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि मेरी सरकार दलितों, पिछड़ों, आदिवासी समुदाय और सभी के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। श्सबका साथ सबका विकासश का दृष्टिकोण प्रत्येक नागरिक के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। 2014 की शुरुआत में, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं केवल 25 करोड़ नागरिकों तक ही पहुंच पाई थीं। सरकार के प्रयासों से अब लगभग 95 करोड़ भारतीयों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल रहा है। राष्ट्रपति ने एमएनआरईजीए की जगह लागू होने वाले नए अधिनियम वीबी–जी–आरएएम जी पर भी प्रकाश डाला। अधिनियम के प्रावधानों की प्रशंसा करते हुए सत्ता पक्ष के सांसदों ने तालियां बजाकर अपनी सराहना व्यक्त की, जबकि विपक्षी सांसद खड़े होकर विरोध करने लगे और कानून को वापस लेने की मांग करने लगे। राष्ट्रपति ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत–जी–आरएएम जी कानून बनाया गया है। इस नए सुधार के साथ, गांवों में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी होगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने यह भी कहा कि 2026 के साथ, भारत 21वीं सदी के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है, और पिछले 25 वर्षों की उपलब्धियों ने सभी क्षेत्रों में एक मजबूत नींव रखी है, और इस वर्ष को विकसित भारत की यात्रा का एक महत्वपूर्ण आधार बताया।

संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण पारपंरिक ज्यादा तथा आमजन के लिए उपयोगी कम-मायवती

संवाददाता।
लखनऊ। बसपा नेता ने कहा, इस क्रम में भारत का करीब 20 साल बाद यूरोपीय यूनियन के साथ व्यापारिक समझौता बड़े–बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों के साथ–साथ आमजन के हित व कल्याण में भी अवश्य होना चाहिए।बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बुधवार को कहा कि बजट सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का संसद में दिया गया अभिभाषण ज्यादा पारंपरिक और आम लोगों के लिए कम उपयोगी लगा।मायावती ने कहा कि सरकार को आत्मनिर्भरता, विदेश नीति और आर्थिक चुनौतियों के मुद्दों पर लोगों का ज्यादा भरोसा जीतने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यद्यपि बजट सत्र की शुरुआत संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू के संबोधन से हुई, लेकिन भाषण से देश की गंभीर समस्याओं के शीघ्र समाधान या इसे वास्तविक आत्मनिर्भरता की ओर दृढ़ता से ले जाने की कोई नई उम्मीद नहीं जगी।उन्होंने कहा कि आज से बजट सत्र शुरू होने के साथ ही, लोगों को उम्मीद थी कि बजट भाषण देश की ज्वलंत समस्याओं के त्वरित समाधान की नई

उम्मीद जगाएगा और भारत को आत्मनिर्भरता की ओर निर्णायक रूप से ले जाएगा, लेकिन कई लोगों को यह भाषण अधिक पारंपरिक और आम लोगों के लिए कम उपयोगी लगा।वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेरिका द्वारा अमेरिका फर्स्ट नीति अपनाने के कारण दुनिया में व्यापक उथल–पुथल देखी जा रही है, और इस घटनाक्रम से भारत का प्रभावित होना स्वाभाविक है।उन्होंने कहा कि ऐसे समय में, समाधान के रूप में निजी क्षेत्र पर सरकार की अत्यधिक निर्भरता से लोगों में चिंता और आशंकाएं पैदा होती हैं कि भारतीय संदर्भ में यह दृष्टिकोण कितना प्रभावी होगा।बसपा प्रमुख ने कहा कि जहां सरकार संसद के अंदर और बाहर अपने राजनीतिक विरोधियों को आक्रामक रूप से निशाना बनाती है, वहीं जनता को आत्मनिर्भरता, विदेश नीति सहित देश और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार से उतनी ही प्रखरता की अपेक्षा है, ताकि जन–आमजन मजबूत हो सके।बसपा नेता ने कहा, इस क्रम में भारत का करीब 20 साल बाद यूरोपीय यूनियन के साथ व्यापारिक समझौता बड़े–बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों के साथ–साथ आमजन के हित व कल्याण में भी अवश्य होना चाहिए।

अजित पवार के निधन पर बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन बोले- पूरा राजनीतिक जगत दुखी है

एजेंसी।
नई दिल्ली।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया, जिससे राजनीतिक जगत में शोक की लहर है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने इसे एक अपूरणीय क्षति बताया है, जबकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने बुधवार को बारामती में विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया। मीडिया से बात करते हुए नबीन ने कहा कि पवार के निधन से पूरा राजनीतिक जगत दुखी है। उन्होंने कहा कि अजित पवार महाराष्ट्र के सपूत थे। आज पूरा राजनीतिक जगत उनके निधन से शोक में डूबा है। हम उनके परिवार के प्रति अपनी

संवेदना व्यक्त करते हैं।एनसीपी प्रमुख का आज सुबह मुंबई से बारामती जाते समय एक चार्टर विमान दुर्घटना में निधन हो गया। वे 27 जनवरी को मुंबई में थे, जहां उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र कैबिनेट की अवसंरचना संबंधी समिति की बैठक में भाग लिया था। अजित पवार दिग्गज राजनीतिज्ञ और एनसीपी संस्थापक शरद पवार के भतीजे और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले के चचेरे भाई थे।मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पवार के अंतिम संस्कार के संबंध में निर्णय उनके परिवार से परामर्श के बाद लिया जाएगा। इसके अलावा, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की एक विशेष टीम बारामती में हुई विमान दुर्घटना की जांच करेगी, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चालक दल के सदस्यों सहित पांच लोगों की जान चली गई। जांच के दौरान, जांच दल फ्लाइट रिकॉर्डर, उन्नत ग्राउंड प्रॉक्सिमिटी वार्निंग सिस्टम (ईजीपीडब्ल्यूएस) और डिजिटल इंजन इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम (डीईईएस) को प्राप्त करेगा। विमान से संबंधित एयरफ्रेम और इंजन लॉगबुक, वर्क ऑर्डर, ऑन–बोर्ड दस्तावेज और प्रमुख निरीक्षण रिकॉर्ड ऑपरेटर से जांच के लिए एकत्र किए जाएंगे। जांच दल ने चालक दल और विमान से संबंधित नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के दस्तावेज भी मांगे हैं।

यूपी में रोजगार पर बड़ा खतरा? नए राम जी एक्ट पर अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा

संवाददाता।
लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने नए ग्राम जी अधिनियम की आलोचना करते हुए कहा है कि यह बजट से समझौता करता है और उत्तर प्रदेश में रोजगार पर नकारात्मक असर डालेगा, क्योंकि कई ग्राम सभाएं शहरी क्षेत्रों में शामिल हो गई हैं। यह बयान विपक्ष द्वारा मनरेगा को निरस्त करने के विरोध में संसद में किए जा रहे प्रदर्शनों के बीच आया है।समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम (वीबी–जी राम जी) की आलोचना करते हुए कहा कि यह कानून बजट से समझौता करता है और उत्तर प्रदेश में रोजगार सृजन को प्रभावित करेगा। संसद के बाहर मीडिया से बात करते हुए यादव ने कहा कि वीबी राम जी पर हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है। उत्तर प्रदेश में लगभग 800 ग्राम सभाएं शहरी क्षेत्र में शामिल हो गई हैं। बजट से समझौता किया जा रहा है, जिससे उनके कामकाज और अपेक्षित रोजगार सृजन पर असर पड़ेगा।बजट सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन के दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को रद्द किए जाने के विरोध में विपक्षी दलों द्वारा संसद में किए जा रहे प्रदर्शनों के बीच यादव ने ये टिप्पणियां कीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में वीबी–जी राम जी अधिनियम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत–जी राम जी कानून बनाया गया है। इस नए सुधार से गांवों में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी होगी।एनडीए–भाजपा सांसदों ने सराहना में अपनी मेजें थपथपाईं, वहीं विपक्षी सांसद खड़े हो गए और कानून को वापस लेने की मांग करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने जोर देते हुए कहा कि आज संसद के दोनों

सदनों में राष्ट्रपति के संबोधन के दौरान, सभी विपक्षी दलों ने एमजीएनआरईजीए को जबरन निरस्त किए जाने का अत्यंत सम्मानपूर्वक और गरिमापूर्ण तरीके से विरोध किया। विपक्ष एमजीएनआरईजीए को बहाल करने की मांग के लिए सभी लोकतांत्रिक साधनों का इस्तेमाल करेगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राष्ट्रपति के संबोधन के दौरान हंगामा करने के लिए विपक्ष की आलोचना की।संसद के शीतकालीन सत्र 2025 में पारित वीबी–जी राम जी अधिनियम, पूर्व की 100–दिवसीय रोजगार गारंटी को 125–दिवसीय गारंटी से बदल देता है। विपक्ष ने महात्मा गांधी का नाम हटाने और केंद्र एवं राज्यों के बीच 60रू40 के निधि बंटवारे के अनुपात को समाप्त करने के लिए इस विधेयक की आलोचना की है।

बीबीएयू लखनऊ में एलुमनी संवाद कार्यक्रम आयोजित, पूर्व छात्र विश्वविद्यालय के ब्रांड एम्बेसडर कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल

लखनऊ(आरएनएस) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र–छात्राओं (एलुमनी) के साथ एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने विभिन्न विभागों से शिक्षा प्राप्त कर देश के प्रतिष्ठित संस्थानों एवं विविध क्षेत्रों में कार्यरत एलुमनी से संवाद किया। कार्यक्रम में डीन ऑफ एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू, प्रॉक्टर प्रो. राम चंद्रा, विश्वविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन के चेयरपर्सन प्रो. डी.आर. मोदी, डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार, आईक्यूएसी डायरेक्टर प्रो. शिल्पी वर्मा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके पूर्व छात्र–छात्राएं ब्रांड एम्बेसडर और ध्वजवाहक के समान होते हैं, जो विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, मूल्यों और शैक्षणिक उत्कृष्टता को समाज तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने एलुमनी से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय से निरंतर जुड़े रहें और शोध, प्लेसमेंट, नवाचार, करियर काउंसलिंग, सेमिनार, कार्यशालाओं तथा अन्य अकादमिक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालय की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाएं।कुलपति ने कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का सपना एक ऐसे समतामूलक समाज का निर्माण था, जहां कोई भी व्यक्ति हाशिये पर न रहे और सबका साथ, सबका विकास की भावना साकार हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों और पूर्व छात्र–छात्राओं के माध्यम से विकसित भारतद्2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेगा।संवाद कार्यक्रम के दौरान कुलपति ने एलुमनी से उनकी शैक्षणिक यात्रा, वर्तमान कार्यक्षेत्र और व्यावसायिक अनुभवों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। साथ ही विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं विकासात्मक गतिविधियों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने एलुमनी से विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास, नवाचार, शोध, प्लेसमेंट और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय सहयोग करने का आह्वान करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।इस अवसर पर विभिन्न विभागों से शिक्षा प्राप्त कर वर्तमान में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत पूर्व छात्र–छात्राओं से संवाद किया गया। इनमें सांख्यिकी विभाग से वर्ष 2018 में पीएचडी करने वाले और वर्तमान में हरीश चंद्र पीजी कॉलेज, वाराणसी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डॉ. सुमित कुमार, पर्यावरण विज्ञान विभाग से वर्ष 2015 में एमएससी करने वाले और वेमेगा प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित कुमार गौतम, सीएसआईआरदृइंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च, लखनऊ में सीनियर साइंटिस्ट के पद पर कार्यरत डॉ. आशीष द्विवेदी शामिल रहे। इसके अलावा वर्ष 2011 में विधि विभाग से पासआउट और वर्तमान में लखनऊ के एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट बलवंत कुमार भारती तथा सीतापुर के एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट विजय भान, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से वर्ष 2017 में एमए करने वाले और दैनिक जागरण, मुरादाबाद के सिटी इंचार्ज अनुज मिश्र, वर्ष 2018 में हिन्दी विभाग से एमए करने वाले और वर्तमान में गोंडा में ब्लॉक मिशन मैनेजर के पद पर कार्यरत जितेन्द्र यादव भी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में वर्ष 2024 में एमबीए एचआर पूर्ण कर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में एचआर ऑफिसर के पद पर कार्यरत जिज्ञासा मिश्रा, वर्ष 2012 में मानवाधिकार विभाग से डिग्री प्राप्त कर वर्तमान में लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत डॉ. भानु प्रताप, वर्ष 2021 में आहार एवं पोषण विभाग से एमएससी पूर्ण कर वर्तमान में एक सफल महिला उद्यमी के रूप में कार्य कर रहीं अनामिका वर्मा तथा फार्मेसी विभाग से वर्ष 2019 में परास्नातक करने के बाद साइनोस हेल्थ, गुरुग्राम में सेफ्टी एंड फार्माकोविजिलेंस स्पेशलिस्ट के रूप में कार्यरत सारिका धर्मेश भी मौजूद रहीं।इस दौरान पूर्व छात्र–छात्राओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय से प्राप्त शिक्षा, मार्गदर्शन और संस्कारों ने उनके करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उत्तर प्रदेश में लिवर रोग बन रहा गंभीर स्वास्थ्य संकट, लिवर ट्रांसप्लांट को लेकर बढ़ी जागरूकता

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में लिवर से जुड़ी बीमारियां तेजी से एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर रही हैं। इस बीच मरीजों और उनके परिजनों की सोच में भी स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। अब लोग लिवर ट्रांसप्लांट को लेकर पहले की तुलना में अधिक जागरूक हो रहे हैं। समय पर जांच, सही परामर्श और लिविंग लिवर डोनेशन को लेकर बढ़ती स्वीकार्यता के चलते मरीज पहले ही ट्रांसप्लांट सेंटर तक पहुंच रहे हैं और निर्णायक इलाज की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।इलाज की इस बढ़ती जरूरत को देखते हुए अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने लिवर से संबंधित सभी सेवाओं, विशेषज्ञों और आधुनिक सुविधाओं को एक ही छत के नीचे संगठित किया है। अस्पताल में जांच से लेकर दवाओं द्वारा उपचार, जटिल हेपेटो–पैंक्रियाटो–बिलियरी सर्जरी और लिवर ट्रांसप्लांट तक की समस्त सुविधाएं उपलब्ध हैं।आंकड़ों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 2.5 से 3 लाख लोगों की मौत लिवर रोग और सिरोसिस के कारण होती है। यह बीमारी अब भारत में मृत्यु का आठवां प्रमुख कारण बन चुकी है, जबकि एक दशक पहले यह दसवें स्थान पर थी। उत्तर प्रदेश में स्थिति और अधिक चिंताजनक है। देश की लगभग 17 प्रतिशत आबादी यहां निवास करती है, लेकिन प्रतिवर्ष अनुमानित 50 से 60 हजार लोगों की मौत लिवर से जुड़ी बीमारियों से हो जाती है। इसके मुकाबले पूरे प्रदेश में सालाना केवल 200 से 250 लिवर ट्रांसप्लांट ही हो पाते हैं, जिनमें से अधिकांश एनसीआर क्षेत्र में किए जाते हैं। प्रदेश में सीमित संख्या में ही लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर होने के कारण बड़ी संख्या में मरीजों को इलाज के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ता है।अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल में लिवर ट्रांसप्लांट और एचपीबी सर्जरी विभाग के सीनियर डायरेक्टर एवं प्रमुख डॉ. अभिषेक यादव ने बताया कि फैटी लिवर डिजीज इस समस्या को और गंभीर बना रही है। वर्तमान में यह बीमारी 30 से 35 प्रतिशत आबादी को प्रभावित कर रही है और कुछ क्षेत्रों में इसका आंकड़ा 50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यह रोग अक्सर बिना लक्षणों के धीरे–धीरे सिरोसिस और लिवर फेल्योर में परिवर्तित हो जाता है। उन्होंने कहा कि राहत की बात यह है कि अब मरीज पहले की तुलना में जल्दी चिकित्सकीय सलाह ले रहे हैं और लिवर ट्रांसप्लांट को सुरक्षित एवं प्रभावी उपचार के रूप में स्वीकार कर रहे हैं।अपोलोमेडिक्स उत्तर प्रदेश के उन चुनिंदा अस्पतालों में शामिल है, जहां बच्चों के लिए भी लिवर ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही अस्पताल में आपातकालीन लिवर ट्रांसप्लांट के लिए विशेष व्यवस्था, प्रशिक्षित टीम और चौबीसों घंटे तैयारी रहती है। अचानक होने वाले एक्यूट लिवर फेल्योर के मामलों में यह सुविधा कई बार जीवन रक्षक सिद्ध होती है। यहां उपचार की सफलता दर 95 प्रतिशत से अधिक बताई जा रही है, जो देश के बड़े ट्रांसप्लांट केंद्रों के बराबर है।गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के कंसल्टेंट डॉ. जयेंद्र शुक्ला ने कहा कि लिवर रोग अब चुपचाप देश की सबसे घातक बीमारियों में शामिल हो चुका है। उत्तर प्रदेश में चुनौती केवल बीमारी के बढ़ते बोझ की नहीं, बल्कि देर से रेफरल और ट्रांसप्लांट सुविधाओं तक सीमित पहुंच की भी है। उन्होंने कहा कि अब लोगों में डर कम हुआ है, परिवार लिविंग डोनेशन के लिए आगे आ रहे हैं और मरीज समय रहते ट्रांसप्लांट सेंटर तक पहुंच रहे हैं, जिससे गंभीर मामलों में जान बचने की संभावना बढ़ी है।गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के डायरेक्टर डॉ. राजीव रंजन सिंह ने बताया कि अपोलोमेडिक्स का लिवर कार्यक्रम एक मल्टीडिसिप्लिनरी टीम द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसमें गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट, लिवर ट्रांसप्लांट और एचपीबी सर्जन, एनेस्थेटिस्ट, इंटेंसिविस्ट, पीडियाट्रिक विशेषज्ञ और ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर शामिल हैं। इसी समन्वित प्रयास का परिणाम है कि बीते तीन महीनों में ही यहां सात से अधिक लिवर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए गए हैं।लिवर ट्रांसप्लांट और गैस्ट्रो सर्जरी के कंसल्टेंट डॉ. उत्कर्ष श्रीवास्तव ने कहा कि लिवर रोग का इलाज अत्यंत जटिल होता है, ऐसे में समय पर सही निर्णय लेना बेहद आवश्यक है। पहले जानकारी की कमी और झिझक के कारण कई मरीज समय रहते इलाज नहीं करा पाते थे, लेकिन अब बेहतर काउंसलिंग और जागरूकता से मरीज और उनके परिवार समझ पा रहे हैं कि लिवर ट्रांसप्लांट एक प्रमाणित और सुरक्षित उपचार है।अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के एमडी एवं सीईओ डॉ. मयंक सोमानी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लिवर ट्रांसप्लांट और लिविंग डोनेशन को लेकर लोगों की सोच में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जैसे–जैसे जागरूकता बढ़ रही है, वैसे–वैसे यह आवश्यक हो गया है कि बच्चों और आपातकालीन लिवर ट्रांसप्लांट जैसी उन्नत सेवाएं मरीजों को उनके घर के पास उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि अपोलो के देशव्यापी नेटवर्क के सहयोग से अपोलोमेडिक्स मरीजों और उनके परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक और मानसिक बोझ को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।लखनऊ एक प्रमुख मेडिकल हब के रूप में उभर रहा है और ऐसे में अपोलोमेडिक्स की व्यापक लिवर सेवाएं उत्तर प्रदेश तथा आसपास के राज्यों में हर आयु वर्ग के मरीजों, विशेष रूप से बच्चों, के लिए उन्नत लिवर उपचार और ट्रांसप्लांट की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

आम बजट 2026-27 से व्यापारियों को बड़ी राहत की उम्मीद, 'एक ट्रेड एक टैक्स' व्यवस्था लागू करने की मांग

लखनऊ, (आरएनएस)। आगामी 1 फरवरी 2026 को प्रस्तुत होने वाले आम बजट 2026–27 को लेकर व्यापारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने की। बैठक में देश की कर व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी और व्यापार–अनुकूल बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। व्यापारियों ने एक स्वर में कहा कि मौजूदा जटिल कर प्रणाली छोटे और मध्यम व्यापारियों के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है, ऐसे में बजट के माध्यम से ठोस सुधार किए जाने की आवश्यकता है।अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने बताया कि 7 जनवरी 2026 को सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह के माध्यम से और ई–मेल द्वारा कर सुधार से संबंधित एक ज्ञापन भारत सरकार के वित्त मंत्री को भेजा जा चुका है। बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि सरकार "एक राष्ट्रदृएक कर" की भावना के अनुरूप "एक ट्रेडदृ एक टैक्स" की व्यवस्था लागू करे, जिससे व्यापारियों को करों की जटिल संरचना से राहत मिल सके और अनुपालन आसान हो।व्यापारियों ने कहा कि पार्टनरशिप फर्मों पर कर दरों का युक्तिकरण किया जाना चाहिए, ताकि छोटे और मध्यम व्यापारियों पर अनावश्यक कर बोझ कम हो सके। साथ ही जीएसटी पंजीकरण की सीमा सेवाओं के लिए 50 लाख रुपये और वस्तुओं के लिए 1 करोड़ रुपये किए जाने की मांग उठाई गई। व्यापारियों का कहना था कि वर्तमान सीमा के कारण छोटे कारोबारियों पर अनुपालन का दबाव बढ़ गया है। बैठक में यह भी मांग रखी गई कि टीडीएस की दरों को सरल बनाते हुए केवल दो दरें 1 प्रतिशत और 5 प्रतिशत निर्धारित की जाएं, जिससे कर कटौती की प्रक्रिया स्पष्ट और सरल हो सके।व्यापारियों ने यह भी कहा कि पार्टनरशिप फर्मों में पार्टनर्स को दिए जाने वाले वेतन या पारिश्रमिक को पूर्ण रूप से खर्च की कटौती में शामिल किया जाना चाहिए। इसके अलावा एक ही वस्तु पर समान कर दर होने की स्थिति में केवल एक ही एचएसएन कोड रखा जाए, ताकि भ्रम और तकनीकी त्रुटियों से बचा जा सके। जीएसटी पोर्टल की तकनीकी खामियों के कारण छोटे व्यापारियों पर लगने वाली पेनल्टी और ब्याज को अनुचित बताते हुए इसे समाप्त करने की मांग की गई।बैठक में यह मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया कि जीएसटी अधिनियम की धारा 9(3) से जुड़े जटिल प्रावधानों को समाप्त कर प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। जहां कच्चे माल पर अधिक और तैयार माल पर कम टैक्स होने के कारण इनपुट टैक्स क्रेडिट फंस जाता है, वहां ऑटोमेटिक आईटीसी रिफंड की व्यवस्था लागू किए जाने की मांग की गई। व्यापारियों ने यह भी कहा कि पोर्टल पर दस्तावेज अपलोड होने के बावजूद भौतिक सत्यापन के नाम पर होने वाला उत्पीड़न बंद होना चाहिए और फर्जी फर्मों पर रोक के लिए नए पंजीकरण के समय ही प्रभावी सत्यापन किया जाए, ताकि वास्तविक व्यापारी परेशान न हों।अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि आम बजट देश की अर्थव्यवस्था को गति देने का प्रयास तो करता है, लेकिन व्यापारियों की जमीनी समस्याओं के समाधान के लिए अभी और ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने विशेष रूप से छोटे और मध्यम व्यापारियों पर कर संबंधी बोझ कम करने, जीएसटी प्रक्रियाओं को सरल बनाने और व्यापार को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि यदि सरकार "व्यापार बढ़ेदृदेश बढ़े" की भावना से निर्णय लेती है, तो रोजगार सृजन और बाजार की मजबूती दोनों सुनिश्चित की जा सकती हैं।वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने कहा कि यदि इन सुझावों को बजट में शामिल किया जाता है तो कर प्रणाली अधिक सरल होगी, अनुपालन का बोझ घटेगा और छोटे तथा मध्यम व्यापारियों को वास्तविक राहत मिलेगी, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता ने ऑनलाइन व्यापार पर अतिरिक्त कर या विशेष लेवी लगाने की मांग करते हुए कहा कि बड़े ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म भारी छूट और पूंजी बल के दम पर बाजार पर कब्जा कर रहे हैं, जिससे स्थानीय व्यापारी प्रभावित हो रहे हैं। संतुलित कर नीति से छोटे व्यापारियों को समान प्रतिस्पर्धा का अवसर मिल सकेगा।बैठक में कमर्शियल लोन की ब्याज दर घटाकर 5 प्रतिशत करने की भी मांग की गई। व्यापारियों का कहना था कि वर्तमान ऊंची ब्याज दरों के कारण छोटे और मध्यम व्यापारी आर्थिक दबाव में हैं, जिससे व्यापार विस्तार और रोजगार सृजन प्रभावित हो रहा है। ब्याज दरों में कमी से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और बाजार में नई ऊर्जा आएगी।सोने और चांदी की लगातार बढ़ती कीमतों पर भी व्यापारियों ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कीमती धातुओं के दाम बढ़ने से छोटे ज्वेलर्स और खुदरा व्यापारी सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कीमतें बढ़ने से ग्राहकों की खरीद क्षमता घटती है, बिक्री कम होती है और स्टॉक फंसने का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही वर्किंग कैपिटल की जरूरत बढ़ने से छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव पड़ता है। व्यापारियों ने मांग की कि सरकार सोना–चांदी व्यापार से जुड़े छोटे कारोबारियों के लिए कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा, कर प्रक्रियाओं में सरलीकरण और नीतिगत स्थिरता सुनिश्चित करे।बैठक में चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, अशोक मोतियानी, भारत भूषण गुप्ता, अरुण अवस्थी, नसीम अंसारी, युवा वरिष्ठ महामंत्री सुमित गुप्ता, युवा महामंत्री प्रियंक गुप्ता सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और व्यापारी उपस्थित रहे। सभी ने सरकार से अपील की कि बजट निर्माण में जमीनी स्तर के व्यापारियों की इन व्यावहारिक समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया जाए और ऐसा बजट लाया जाए जो व्यापार, रोजगार और बाजार की मजबूती को एक साथ आगे बढ़ाए।

पीजीआई थाना क्षेत्र में ट्रेलर चालक की सनक, कई वाहनों को रौंदा, तीन लोग गंभीर घायल, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन अंतर्गत थाना पीजीआई क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से ट्रेलर चलाते हुए जानलेवा हमला करने का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना में एक ट्रेलर चालक ने पहले एक कार को जोरदार टक्कर मारी, फिर भागने के प्रयास में बाइक सवार को कुचलने की कोशिश की और कई अन्य वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चालक को गिरफ्तार कर ट्रेलर को सीज कर दिया है।घटना 28 जनवरी 2026 की है। वादी प्रदीप कुमार सिंह निवासी इंदिरा नगर लखनऊ ने थाना पीजीआई में तहरीर देकर बताया कि श्यामा मेडिकल स्टोर के पास एसजीपीजीआई क्षेत्र में ट्रेलर संख्या न्च33ब्ज4618 के चालक ने तेज और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए पहले कार संख्या भ्च26क्व4348 को टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद लोगों द्वारा शोर मचाने पर ट्रेलर चालक ने वाहन को पीछे करते हुए भागने का प्रयास किया। इसी दौरान वादी के मौसेरे भाई सूर्यप्रताप सिंह ने जब उसे रोकने की कोशिश की तो आरोपी ने जान से मारने की नीयत से ट्रेलर उनकी बाइक संख्या न्च32फच2196 के ऊपर चढ़ा दिया।इसके बाद अनियंत्रित ट्रेलर ने पास खड़ी कार डच20ब6173, मोटरसाइकिल न्च32थ्ड1745 और बुलेट न्च56न्9849 को भी जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में सूर्यप्रताप सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि मौके से गुजर रहे आयुष जायसवाल और अभिषेक सिंह को भी गंभीर चोटें आईं। सभी घायलों को इलाज के लिए एसजीपीजीआई अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घटना के बाद आरोपी ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया था। सूचना मिलते ही थाना पीजीआई पुलिस टीम सक्रिय हुई और घेराबंदी कर वृंदावन गेट नहर, जगत खेड़ा रोड से आरोपी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम राजेन्द्र कुमार निवासी शिवदीन खेड़ा, थाना पुरवा, जनपद उन्नाव बताया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ट्रेलर को सीज कर दिया है।इस मामले में थाना पीजीआई पर मुकदमा संख्या 59ध्2026 दर्ज कर संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी लापरवाही से वाहन चलाने से जुड़े मामले दर्ज हैं।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस पूरी घटना ने सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। थाना पीजीआई पुलिस टीम की तत्परता से आरोपी को समय रहते गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे किसी बड़ी अनहोनी को रोका जा सका। पुलिस मामले की आगे की विवेचना कर रही है।

बजट सत्र से जनता को ठोस दिशा की उम्मीद, सरकार को आत्मनिर्भरता और विदेश नीति पर दिखानी होगी प्रखरता-मायावती

लखनऊ(आरएनएस) बसपा प्रमुख मायावती ने संसद के बजट सत्र की शुरुआत और राष्ट्रपति के अभिभाषण को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किए जाने के साथ ही बजट सत्र का आरंभ हुआ है, जिससे देश की ज्वलंत समस्याओं के त्वरित समाधान और भारत को वास्तविक अर्थों में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में नई उम्मीदें जगी थीं, लेकिन यह संबोधन आमजन की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा नहीं उतर सका।मायावती ने कहा कि अभिभाषण परिष्कृत न होने के कारण लोगों को यह अधिक पारंपरिक और अपेक्षाकृत कम जनोपयोगी प्रतीत हुआ। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय वैश्विक स्तर पर बेहद चुनौतीपूर्ण है। खासकर विश्व की सबसे बड़ी शक्ति अमेरिका द्वारा 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति अपनाए जाने से पूरी दुनिया में राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता का माहौल बना हुआ है, जिसका असर भारत पर भी पड़ना स्वाभाविक है।उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में सरकार द्वारा समाधान के तौर पर निजी क्षेत्र पर अत्यधिक भरोसा जताना भारतीय परिस्थितियों में कितना प्रभावी साबित होगा, इसको लेकर आमजन के बीच आशंकाएं और चिंताएं बनी हुई हैं। ऐसे समय में सरकार को अपने निर्णयों और नीतियों में अधिक आत्मविश्वास दिखाने की आवश्यकता है।बसपा प्रमुख ने कहा कि सरकार जिस आक्रामकता के साथ संसद के भीतर और बाहर राजनीतिक विरोधियों पर हमला करती रहती है, उसी तीव्रता और स्पष्टता के साथ यदि आत्मनिर्भरता, विदेश नीति, राष्ट्रीय हित और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर ठोस पहल करे, तो इससे जनता का भरोसा मजबूत हो सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बजट सत्र के दौरान सरकार की नीतियों में इसकी स्पष्ट झलक देश को देखने को मिलेगी।मायावती ने भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच लगभग 20 वर्षों बाद होने जा रहे व्यापारिक समझौते का उल्लेख करते हुए कहा कि यह करार केवल बड़े उद्योगपतियों और पूंजीपतियों के हित तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका सीधा लाभ आमजन के जीवन और कल्याण से भी जुड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों की सफलता का वास्तविक पैमाना यही होगा कि वे देश के अंतिम व्यक्ति तक कितना लाभ पहुंचा पाती हैं।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर तीखा हमला, कहा-किसानों को सपने दिखाए, न आय दोगुनी हुई न मंडियां बनीं

नई दिल्ली,लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार किसानों को केवल झूठे सपने दिखा रही है। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई है और न ही उन्हें उनकी फसलों का उचित मूल्य मिल पा रहा है। मंडियों का काम लगभग ठप कर दिया गया है और नई मंडियों का निर्माण नहीं हो रहा। उन्होंने सवाल किया कि जब दूध, धान और अन्य कृषि उत्पादों के उत्पादन की सच्चाई सबके सामने है, तो फिर किसानों की आय दोगुनी होने का दावा कैसे किया जा सकता है।बुधवार को संसद भवन के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार बड़े–बड़े दावे करती है कि दुनिया में सबसे ज्यादा रेलवे लाइनें बनाई गई हैं, लेकिन मुख्यमंत्री अपने ही प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मेट्रो तक नहीं बनवा सके। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार के कार्यकाल में मेट्रो की डीपीआर और एलाइनमेंट का काम पूरा हो चुका था, इसके बावजूद आज तक वाराणसी में मेट्रो परियोजना जमीन पर नहीं उतर सकी।अखिलेश यादव ने खुद को सनातनी कहने वालों पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पूज्यनीय शंकराचार्य का अपमान किया, उन्हें स्नान तक नहीं करने दिया, वे कैसे सनातन के रक्षक हो सकते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि शंकराचार्य से प्रमाण–पत्र मांगने वालों को योगी होने का प्रमाण–पत्र किसने दिया। जो दूसरों से प्रमाण–पत्र मांग रहे हैं, उन्हें पहले अपना प्रमाण–पत्र दिखाना चाहिए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जो खुद को योगी कहते हैं, वे योग का सबसे आसान आसनकृएक पैर पर खड़ा होनाकृभी ठीक से नहीं कर पाते।समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि सनातन धर्म के संरक्षण में महारानी अहिल्याबाई होल्कर का ऐतिहासिक योगदान रहा है। उनकी बनाई विरासत को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना चाहिए था, लेकिन इस सरकार ने अहिल्याबाई होल्कर द्वारा निर्मित सबसे प्राचीन घाट को बुलडोजर से तोड़ दिया और मूर्तियां भी क्षतिग्रस्त कर दीं। उन्होंने कहा कि जो लोग ऐसे घाटों को तोड़ते हैं, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते।अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वीबीरामजी योजना में बजट लगातार कम किया जा रहा है, जबकि राज्य पहले से ही केंद्र की ओर बजट के लिए देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब बजट ही नहीं रहेगा तो गरीबों को काम और रोजगार कैसे मिलेगा। यूजीसी की नई गाइडलाइन पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दोषी बचना नहीं चाहिए और निर्दोष को फंसाया नहीं जाना चाहिए।

गोसाईगंज में हत्या के प्रयास की खौफनाक वारदात, युवक को मरा समझकर नहर में फेंका गया, 24 घंटे में छह आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन अंतर्गत थाना गोसाईगंज क्षेत्र में हत्या के प्रयास का एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने एक युवक पर चाकुओं से जानलेवा हमला कर उसे मरा हुआ समझकर इंद्रा नहर में फेंक दिया था।यह घटना 27 जनवरी 2026 की है। थाना गोसाईगंज क्षेत्र निवासी सुनील कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसके पुत्र रवि पर विपक्षियों ने जान से मारने की नीयत से हमला किया। आरोप है कि अभियुक्तों ने रवि के गले और शरीर के अन्य हिस्सों पर धारदार हथियार से कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले के बाद अभियुक्तों ने उसे मृत समझ लिया और एक वाहन में लादकर बहती इंद्रा नहर में फेंक दिया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल मुकदमा संख्या 36ध्2026 दर्ज कर जांच शुरू की। साक्ष्य संकलन के दौरान सामने आया कि हमला पूरी तरह सुनियोजित था और हत्या के उद्देश्य से किया गया था। पुलिस ने लगातार दबिश देकर 27 और 28 जनवरी की मध्यरात्रि में छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

सवर्ण समाज ने यूजीसी नीतियों के विरोध में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

बल्दीरायध्सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के सवर्ण समाज के सैकड़ो लोगों ने बुधवार को यूजीसी के विरोध में व्यापक धरना प्रदर्शन किया यह प्रदर्शन बल्दीराय कस्बे के नहर चौराहा थाना मोड़ रामलीला मैदान होते हुए पुनः तहसील परिसर में आकर उप जिलाधिकारी बल्दीराय प्रवीण कुमार को ज्ञापन दिया। सवर्ण सवर्ण ने केंद्र सरकार के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से जुड़े वर्तमान एवं प्रस्तावित फैसलों के विरोध में बल्दीराय क्षेत्र के सवर्ण समाज ने राष्ट्रपति को संबोधित चार सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी (एसडीएम) बल्दीराय को सौंपा। सवर्ण समाज के लोगों का आरोप है कि यूजीसी की मौजूदा और प्रस्तावित नीतियां देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था, शिक्षकों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि शिक्षा, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े विषयों पर समाज सदैव सजग रहा है, और वर्तमान नीतियों से शिक्षा की गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा समान अवसर की भावना को गंभीर क्षति पहुंचने की आशंका है। सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है और इसमें बिना व्यापक विमर्श के लिए गए निर्णय दीर्घकालिक नुकसान का कारण बन सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यूजीसी के हालिया निर्णयों को लेकर देशभर में शिक्षाविदों, छात्रों और सामाजिक संगठनों के बीच गहरी चिंता और असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन में यह भी जोर दिया गया कि विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों को जाति, धर्म या लिंग के आधार पर विभाजित करने से बचा जाना चाहिए। जब कोई बालक विद्यालय जाता है तो वह केवल एक छात्र होता है। वहां उसकी कोई जाति, धर्म या लिंग नहीं होता। इस विषय पर महान शिक्षाविदों और शोधार्थियों से राय लेना आवश्यक बताया गया। राष्ट्रपति से आग्रह किए गए प्रमुख बिंदुओं मेंयूजीसी से संबंधित विवादित नीतियों एवं प्रस्तावों पर पुनर्विचार,शिक्षकों, छात्रों और विशेषज्ञों से व्यापक परामर्श के बाद ही अंतिम निर्णय, उच्च शिक्षा की स्वायत्तता, गुणवत्ता और समानता को प्राथमिकता देना तथा शिक्षा व्यवस्था को व्यवसायीकरण से मुक्त रखते हुए जनहित में निर्णय सुनिश्चित करना शामिल है।

सवर्ण समाज ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन होने के नाते इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेंगे और राष्ट्रहित में उचित दिशा–निर्देश प्रदान करेंगे। इस अवसर पर तहसील क्षेत्र के सैकडो की संख्या में सवर्ण समाज के लोग मौजूद रहे।

सरकार सत्ता का दुरुपयोग करके गरीबों और पीडीए की आवाज दबा रही है-अनूप सण्डा

सुलतानपुर। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सन्देश, समाजवाद के विचारों को घर घर पहुंचाने, पीडीए समाज के सम्मान और किसानों, बेरोजगारों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से पूर्व विधायक अनूपसंडा के नेतृत्व में निकाली गई पदयात्रा का शुभारंभ आज चौथे दिन सैकड़ो समाजवादी कार्यकर्ताओं के साथ ग्राम खेड़ी डोडापुर से हुआ.। पदयात्रा के द्वितीय चरण में समाजवादी कार्यकर्ता विधानसभा 188 के कूड़ेभार तथा जयसिंहपुर ब्लॉक में लगभग 100 किलोमीटर भ्रमण करेंगे। पदयात्रा के चौथे दिन यात्रा का शुभारंभ करते हुए पूर्व विधायक एवं प्रवक्ता अनूप संडा ने कहा कि भाजपा सरकार में दलितों, महिलाओं और व्यापारियों के साथ साथ किसानों के साथ उत्पीड़न और अन्याय चरम सीमा पर है। यह सरकार सत्ता का दुरुपयोग करके गरीबों और पीडीए समाज के लोगों की आवाज दबा रही है तथा पीडीए समाज को कमजोर करने का षड्यंत्र कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा है 2027 में अगर समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तुम महिलाओं को ध्40000 की सहायता राशि दी जाएगी। इस यात्रा के दौरान जो एकजुटता पीडीए समाज ने दिखाई है वह ऐतिहासिक है। यात्रा में शामिल समाजवादी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के संदेश जनवादी गीतों एवं नारों के माध्यम से लोग आमजनमानस को प्रेरित किया। पदयात्रा के दौरान करिश्मा यादव, हरीपुर बनवां से गुड्डा यादव, नेवादा से सविता देवी, रामापुर से गीतादेवी, गुड्डा, ऊषा, मालती, रामपती, मोलनापुर ग्राम से लल्लीदेवी, निर्मलादेवी, कमलादेवी, हरिहरपुर ग्राम से रेशमा वर्मा, शिवगढ़ अनीता पाल, ननका यादव, सूरजकली, इंद्रावती जानकी सैकड़ो की संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों का योगदान है। जो कदम से कदम मिलाकर समाजवादी जनजागरण में अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक सहयोग कर रहे हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की अव्यवस्था का शिकार मरीज

सुलतानपुर। तहसील मुख्यालय बल्दीराय पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) इन दिनों अव्यवस्थाओं का शिकार बना हुआ है। जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। केन्द्र पर एक्स–रे मशीन उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों को इसका लाभ बहुत सीमित रूप से मिल रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, एक्स–रे मशीन का तकनीशियन सप्ताह मेंकेवल सोमवार, बुधवार और शनिवार को ही तैनात रहता है। बुधवार को जब संवाददाता सुबह 10 बजकर 38 मिनट पर एक्स–रे कक्ष पहुंचा, तो वहां ताला लटका हुआ मिला। इतना ही नहीं, केन्द्र पर तैनात दन्त चिकित्सक की स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। बुधवार को दन्त रोग ओपीडी भी पूरी तरह बंद मिली। जानकारी करने पर पता चला कि दन्त चिकित्सक भी सप्ताह मेंमात्र दो दिन ही उपस्थित रहते हैं, जिससे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कई चिकित्सक मनमाने ढंग से ड्यूटी निभा रहे हैं। इसका

सीधा असर आम ग्रामीण मरीजों पर पड़ रहा है। फिलहाल, सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाएं और सुविधाएं केन्द्र से नदारद नजर आ रही हैं। इस संबंध में क्षेत्रीय ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सभी चिकित्सक नियमित रूप से उपस्थित रहें और एक्स–रे सहित अन्य जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह चालू कराई जाएं, ताकि मरीजों को समय पर इलाज मिल सके।

सरकारी शिक्षक पर छात्रा को विद्यालय से बाहर ले जाने का आरोप, निलंबन प्रक्रिया शुरू

चांदा सुलतानपुर। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय अमरपुर में तैनात एक सरकारी शिक्षक पर गंभीर आरोप लगे हैं। विद्यालय की एक छात्रा ने मंगलवार शाम शिक्षक पर उसे विद्यालय से बाहर ले जाने का आरोप लगाया है। मामले के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) विद्यालय पहुंचे और पूरे प्रकरण की जांच की। प्रारंभिक जांच में शिक्षक को दोषी पाए जाने पर उसके निलंबन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इधर, पीड़ित छात्रा के परिजन मामले को लेकर चांदा कोतवाली पहुंचे हैं, जहां वे कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं। हालांकि समाचार लिखे जाने तक पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं हो सका था। मामले ने उस समय तूल पकड़ लिया जब शिक्षक के दूसरे समुदाय का होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी भी सक्रिय हो गए और विद्यालय व कोतवाली परिसर में मौजूद रहे। इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता ने बताया कि"खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा की गई जांच में शिक्षक दोषी पाया गया है। नियमानुसार उसे निलंबित किया जा रहा है। फिलहाल पूरे मामले को लेकर प्रशासन सतर्क है और पुलिस व शिक्षा विभाग अलग–अलग स्तर पर जांच कर रहे हैं। क्षेत्र में घटना को लेकर चर्चा और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

अमीना ताइक्वांडो अकादमी में होनहार खिलाड़ियों का सम्मान, बढ़ा आत्मविश्वास

सुल्तानपुर। टीएफआई (ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया) से मान्यता प्राप्त डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो एसोसिएशन की सचिव अमीना बानो द्वारा संचालित अमीना ताइक्वांडो अकादमी में मेडल, प्रमाण पत्र एवं कलर बेल्ट सर्टिफिकेट वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम में अकादमी के खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, नियमित अभ्यास और अनुशासन के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर खिलाड़ियों का मनोबल और आत्मविश्वास और अधिक बढ़ा। समारोह में अकादमी के अध्यक्ष शिवकुमार सिंह, उपाध्यक्ष डॉ. सुधाकर सिंह तथा कोषाध्यक्ष एडवोकेट मदन सिंह, वरिष्ठ कांति सिंह पत्रकार किशन पाठक, राष्ट्रीय कोच अनुपम शुक्ला, औलाम्पिक संघ के पंकज दूबे, मण्डल व्ययाम शिक्षक राहुल तिवारी, टेनिस के रेफरी सईद सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों को मेडल, प्रमाण पत्र एवं कलर बेल्ट सर्टिफिकेट प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रशिक्षिका अमीना बानो की सराहना करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन, अनुशासित प्रशिक्षण पद्धति और बच्चों के प्रति समर्पण का ही परिणाम है कि अकादमी के खिलाड़ी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। अमीना बानो बच्चों को न केवल ताइक्वांडो की तकनीकी बारीकियों का प्रशिक्षण देती हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना भी विकसित करती हैं। अमीना बानो ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों की सफलता निरंतर अभ्यास, कठिन परिश्रम और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने बताया कि अकादमी का उद्देश्य खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से सक्षम बनाने के साथ–साथ मानसिक रूप से भी मजबूत करना है, ताकि वे भविष्य में राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों ने अकादमी के प्रयासों की सराहना की और बच्चों की उपलब्धियों पर खुशी व्यक्त की।

सदर विधायक ने किया विकास कार्यों का उद्घाटन

मोतिगरपुरध्सुल्तानपुर। दियरा चौराहे के पास स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर में करोड़ों रुपये की लागत से कराए गए सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का बुधवार को सदर विधायक राजप्रसाद उपाध्याय ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर के विकास से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्रीय पर्यटन को नई गति प्राप्त होगी। पर्यटन विभाग की ओर से प्राचीन हनुमान मंदिर के विकास के लिए लगभग 1 करोड़ 28 लाख रुपये की लागत से कार्य कराए गए हैं। इन कार्यों में मंदिर परिसर में यात्री निवास, पुरुष एवं महिला शौचालय, सोलर लाइट, इंटरलॉकिंग सड़क और एक भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण शामिल है। यह परियोजना यूपीपीसीएल संस्था की इकाई–11, अयोध्या द्वारा लगभग एक वर्ष में पूरी की गई। समारोह को संबोधित करते हुए सदर विधायक राजप्रसाद उपाध्याय ने बताया कि सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में निर्मित नई सुविधाओं से श्रद्धालुओं को ठहरने सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। विधायक उपाध्याय ने आगे कहा कि इन सुविधाओं से न केवल श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि पर्यटन के माध्यम से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस अवसर पर

मंदिर के पुजारी बालेंद्र मिश्र, ब्लॉक प्रमुख चंद्र प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष विनय प्रजापति, पिंटू सिंह, गुड्डू उपाध्याय, तुलसीराम गौतम, संजय चौहान, सहायक अभियंता ए.के. सिंह, अवर अभियंता रोहित सिंह, संतोष यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सवर्ण परिषद ने यूजीसी कानून का कलेक्ट्रेट पर किया विरोध प्रदर्शन

सुल्तानपुर। जिले में बुधवार को राष्ट्रीय सवर्ण परिषद ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। परिषद ने सिटी मजिस्ट्रेट प्रीति जैन को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक नए कानून को वापस लेने की मांग की गई। परिषद का आरोप है कि यह कानून एक वर्ग विशेष के छात्रों को बिना किसी दोष के अपराधी घोषित करता है। संगठन ने आशंका जताई कि इससे सामान्य वर्ग के छात्रों के प्रति पक्षपात बढ़ेगा और झूठी शिकायतों में वृद्धि होगी। राष्ट्रीय संगठन मंत्री आचार्य भरत तिवारी ने कहा कि ऐसे कानूनों के लागू रहने से सवर्ण छात्रों पर अनावश्यक मुकदमे दर्ज होंगे और उनकी सुरक्षा के लिए कोई प्रावधान नहीं होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यह कानून शिक्षा, योग्यता और प्रतिभा को सीधे प्रभावित करेगा, जिससे छात्र आत्महत्या या देश छोड़ने पर विवश हो सकते हैं। परिषद ने तर्क दिया कि देश को जातीय कानूनों या जातीय संरक्षण की बजाय एक सुखी, समृद्ध और समतामूलक समाज की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे जातीय कानून देश में संघर्ष और हिंसा को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे गृह युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न होने का खतरा है। संगठन ने अपनी मांग में कहा कि ऐसी नीतियां देश की संस्कृति, सभ्यता, एकता और अखंडता के लिए खतरा हैं।उन्होंने उम्मीद जताई कि देश की एकता, अखंडता और समाज की शांति व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए, सरकार और न्ळब् इस कानून को तत्काल समाप्त करने के निर्देश जारी करेंगे। प्रदर्शन के दौरान

जिलाध्यक्ष अमित उपाध्याय, जिला प्रवक्ता मोहम्मद अली और अतुल तिवारी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

वमान हादसे में जौनपुर की पिंकी माली की मौत,

जौनपुर। बुधवार की सुबह हुए भीषण विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। हादसे में जौनपुर निवासी फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली की भी मृत्यु हो गई, जिससे जिले में शोक की लहर दौड़ गई है।ज्ञात हो कि पिंकी माली केराकत तहसील के भैंसा गांव की मूल निवासी थीं। अपना दल के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली ने बताया कि पिंकी माली के पिता शिवकुमार माली राष्ट्रवादी पार्टी के नेता रहे हैं। पिंकी का पूरा परिवार वर्तमान में मुंबई में निवास करता था, हालांकि पैतृक गांव भैंसा से उनका पारिवारिक जुड़ाव बना रहा और समय–समय पर उनका गांव आना–जाना होता था। हादसे की सूचना मिलते ही भैंसा गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल छा गया। पिंकी माली की मौत की खबर से परिजन बेसुध हैं, वहीं गांव के लोग उन्हें एक मेहनती, मिलनसार और होनहार युवती के रूप में याद कर रहे हैं, जिसने गांव और जिले का नाम रोशन किया था।

युवक गमछा से फांसी लगाकर झूला

जौनपुर । शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के खुरचनपुर निवासी एक युवक किसी बात से खफा होकर फांसी पर झूल गया। बताते है कि राजेश कुमार बिन्द का 26 वर्षी पुत्र सूर्यभान बिन्द मंगलवार की रात किसी बात से नाराज होकर अपनी जीवन लीला समाप्त करली । सूर्यभान को रात 10 बजे बजे खाना खाने के लिए घर वालों ने बुलाया तो वह बोला नहीं और दरवाजा भी नहीं खोला । खिड़की से झांकर घर वालों ने देखा कि रोशनदान में गमछा के सहारे झूल रहा है । आनंन फानन में घर वालों ने दरवाजा तोड़ा शव को नीचे उतारकर अपने निजी वाहन जिला अस्पताल जिला लाया जहां पर डॉक्टरों ने उसे देखते हैं उसे मृत घोषित कर दिया तुरंत इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस को दी गई । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यूजीसी को लेकर भाजपा पदाधिकारियों का त्यागपत्र

जौनपुर। सुजानगंज क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारियों ने त्याग पत्र देते हुए बताया भाजपा अपने मूल सिद्धांतो से भटक गयी है। यूजीसी कानून लाकर जो सभी समुदाय के लोगों में भाई चारा का संबंध था वह समाप्त करने की राजनीति सरकार द्वारा किया जा रहा है। इस कानून से आपसी सौहार्द बिगड़ेगा तथा लोगों में जाति की भेदभाव भावना बढ़ेगी तथा सवण समाज के लोगों को नीचा दिखाने की कोशिश सरकार द्वारा किया जा रहा है। उक्त बातों की जानकारी देते हुए भाजपा सेक्टर संयोजक कोतांव गांव निवासी गोपाल मिश्रा ने कहीं तथा उपस्थित लोगों को बताया भाजपा सरकार जब तक सबका साथ सबका विकास की नीति पर चल रहे थे तब तक हम सब साथ में थे। भाजपा सरकार अपनी नीतियों झूठे वादों के चलते संगठित समाज को बांटने का तथा आपसी सौहार्द को बिगाड़ने वाला कानून लाकर सभी भाजपा कार्यकर्ताओं का दिल दुखाया है जिससे हम लोग अपना अपना त्यागपत्र देकर यूजीसी कानून का विरोध कर रहे हैं। बबलू मिश्रा, अवधेश, रजनीश मिश्रा, विशाल आदि भाजपा पदाधिकारीयों ने अपने पदों से त्यागपत्र दिया है।

शिक्षा को लेकर जागरूक बने अभिभावक अमरेश सिंह

जफराबाद।अभिभावकों को अपने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजना चाहिए।शिक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए।यह बातें बुधवार को स्थानीय कस्बे में स्थित प्राथमिक विद्यालय में निपुण भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं लक्ष्य प्राप्त हेतु आयोजित शिक्षा चौपाल में बतौर मुख्य अतिथि बीईओ सिरकोनी अमरेश कुमार सिंह ने कही। उन्होंने अपने संबोधन में अभिभावको से कहा कि आप बच्चों को कभी शिक्षा से विमुख नही होने दे।इसके अलावा सरकार से प्राप्त अनुदान से बच्चों को ड्रेस जूता मोजा स्वेटर खरीद कर बच्चों को अवश्य दें द्य उन्होंने अपने संबोधन में कहा की अध्यापकों के साथ–साथ अभिभावक की भी जिम्मेदारी होती है कि वह अपने बच्चों का उचित देखभाल करें और देखें कि हमारा बच्चा क्या पढ़ रहा है तथा विद्यालय में कितना पढ़ाया गया है और उसे कितना आता है।कार्यक्रम में अपने सम्बोधन में लक्ष्मीकांत सिंह ने कहा जब तक अभिभावक अपने बच्चों के प्रति सचेत नहीं होंगे तब तक बच्चों में शिक्षा की गुणवत्ता नहीं आ पाएगी द्य कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापिका श्रीमती छाया सिंह ने किय निवेदिता श्रीवास्तव मालविका सिंह अंजू सिंह नीता पाल, भरतलाल बरनवाल,संगीता मौर्य और मीना बरनवाल आदि उपस्थित रहे।

साक्ष्य मिलान हेतु जनसुनवाई सुनिश्चित कर

जौनपुर। जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में (एसआईआर) गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की बैठक हुई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा–वार इआरओ से अनमैप्ड मतदाताओं की मैपिंग की विस्तृत समीक्षा की और जिन एईआरओ के स्तर से पोर्टल पर सबसे अधिक आवेदन लंबित है उनको चिन्हित कर उनपर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश उप जिला निर्वाचन अधिकारी को दिए। उन्होंने कहा कि ईआरओ एवं एईआरओ गांवों में जाकर नोटिस निर्गत किए जाने के उपरांत साक्ष्य मिलान हेतु जनसुनवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सुनवाई से कम से कम दो दिन पूर्व संबंधित मतदाताओं को यह जानकारी उपलब्ध कराई जाए कि किन–किन दस्तावेजों की आवश्यकता होगी, ताकि प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा नोटिस की कार्यवाही में आ रही समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा मौके पर ही उनके समाधान किए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने नोटिस प्रक्रिया के संबंध में उपस्थित अधिकारियों को संपूर्ण जानकारी प्रदान की।

जमा योजनाओं के पीड़ितों ने किया प्रदर्शन

जौनपुर । अनियमित जमा योजनाओं (पोंजी स्कीम) के पीड़ितों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। श्ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवारश् संगठन ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अपने पैसे वापस दिलाने की मांग की। संगठन के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार बिंद ने बताया कि ये योजनाएं भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा प्रतिबंधित हैं। इन्होंने श्अनियमित जमा योजनाएं पाबंदी अधिनियम और राज्य के श्जमाकर्ता हित संरक्षण अधिनियमश् का उल्लंघन किया है। इन कानूनों के तहत, ठगी के शिकार हुए जमाकर्ताओं के पैसे वापस करने की जिम्मेदारी सक्षम और सहायक सक्षम अधिकारियों को दी गई है।अपर जिलाधिकारी (राजस्व एवं वित्त) को जमाकर्ता हित संरक्षण अधिकारी नियुक्त किया है।

व्यापार मंडल का साइबर ठगी पर सेमिनार आयोजित

जौनपुर नगर उद्योग व्यापार मंडल द्वारा गल्ला मंडी चौराहा स्थित बैंकर प्लाजा में व्यापारियों को जागरूकता हेतु साइबर धोखाधड़ी से बचाव के लिए एक सेमिनार नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें पुलिस के साइबर एक्सपर्ट असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर जयप्रकाश सिंह और साइबर एक्सपर्ट संग्राम यादव ने व्यापारियों को धोखाधड़ी से बचाव के अनेक उपाय बताया। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से व्यापारियों को जागरूक करके ठगी से बचाया जा सकता है, प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी एवं कार्यक्रम संयोजक संजय केड़िया ने बताया कि अब साइबर क्राइम बहुत ज्यादा बढ़ गया है इसलिए लोगों को जागरूक करके ही ठगी से बचाया जा सकता है, साइबर एक्सपर्ट जयप्रकाश सिंह ने बताया कि साइबर अपराध के मामलों में अक्सर लोग फोन पर कहीं गई

रोवर्स-रेंजर्स के विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया

जौनपुर । सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय बदलापुर के रोवर्स–रेंजर्स छात्र–छात्राओं को गणतंत्र दिवस समारोह में पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष एडवोकेट राकेश कुमार सिंह,प्रबंधक श्याम सिंह,सम्प्रेक्षक राघवेन्द्र सिंह और प्राचार्य प्रो.सुनील प्रताप सिंह द्वारा स्मृतिचिन्ह,मेडल और प्रमाणपत्र देकर प्रत्येक रोवर्स–रेंजर्स को पुरस्कृत किया गया।

महाविद्यालय की रोवर्स–रेंजर्स टीमें जनपदीय समागम– और विश्वविद्यालयीय समागम में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता रही थी। इसके लिए महाविद्यालय में रोवर्स–रेंजर्स प्रभारी डॉ. कर्मचन्द यादव और डॉ.रेखा मिश्रा को भी स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संचालक प्रो.धीरेंद्र कुमार पटेल ने किया।

सरल नहीं पर प्रभावशाली थे, आदर्शवादी नहीं पर निर्णायक थे अजित पवार

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। महाराष्ट्र की राजनीति को आज तब गहरा आघात लगा जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे की खबर फैलते ही राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। देखा जाये तो अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी जमीन से नाता नहीं तोड़ा। वह भले ही कभी मुख्यमंत्री न बने हों, लेकिन राज्य में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने का इतिहास उनके नाम दर्ज है। छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने वाले अजित पवार ने अलग–अलग सरकारों में अपनी प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखा। बारामती में अजित पवार की राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण उनका काम खुद था। वह उन गिने चुने नेताओं में थे जिनके लिए अपना खुद का चुनाव प्रचार एक औपचारिकता भर था। विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद बारामती की गलियों में शायद ही कभी उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चिंत रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती। अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी–एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया। दोनों पक्षों का विवाद अदालत के दरवाजे तक पहुँचा लेकिन हाल के दिनों में पवार परिवार एकजुट नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उतार कर पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों में तीखापन ला दिया था, लेकिन समय के साथ उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वह फैसला एक भूल था। राजनीति के उस कठोर दौर के बाद हालिया निकाय चुनावों में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया, वह उनके व्यक्तित्व का दूसरा और अधिक मानवीय पक्ष सामने लाता

है। शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी। देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए कि उन्होंने परिवार से सुलह कर ली, टूटे रिश्तों को जोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को यह संकेत दे दिया कि टकराव नहीं, संवाद ही आगे का रास्ता है। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अजित पवार ने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे जैसे मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया। गठबंधनों के बदलते दौर में भी अपनी उपयोगिता और असर बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी रही। अजित पवार चूंकि केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ एनडीए के प्रमुख घटक थे इसलिए उनका निधन बड़ा राजनीतिक नुकसान भी है।देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचौनी ने उन्हें बार–बार जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया।2023 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंने अचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई, अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया। बाद में चुनाव आयोग का फैसला उनके पक्ष में जाना इस बात का संकेत था कि राजनीति में साहस कई बार वैधता भी दिला देता है। अजित पवार की राजनीति नैतिकता के आदर्शों की किताब से कम और यथार्थ की जमीन से ज्यादा निकली थी। यही कारण है कि वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे और समर्थकों के भरोसे का केंद्र भी बने। वह जानते थे कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन प्रभाव बनाया जा सकता है। उन्होंने वही किया। विभिन्न लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मैंने खुद देखा कि वह समर्थकों और कार्यकर्ताओं के कितने करीब रहते हैं और सबकी बातें ध्यान से सुनते हैं। यही कारण था कि बारामती में खासतौर पर अजित दादा के नाम का बोलबाला हर जगह देखने को मिलता है। आज जब उनका जाना अचानक और असमय हुआ है, महाराष्ट्र की राजनीति एक खालीपन महसूस कर रही है। यह खालीपन सिर्फ पद का नहीं, उस अनुभव का है जो दशकों में गढ़ा जाता है। आने वाले समय में यह सवाल और तीखा होगा कि क्या कोई नेता सहकार से सत्ता तक के इस रास्ते को फिर उसी धार और दृढ़ता से तय कर पाएगा।

सम्पादकीय

भारत में ही सबसे पहले गणतंत्र था

बिहार का वैशाली (लिच्छवी गणराज्य) विश्व का पहला सफल गणतंत्र माना जाता है। जब यूनान में नगर–राज्यों की अवधारणा आकार ले रही थी, उससे बहुत पहले भारत में पूरी तरह विकसित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ मौजूद थीं।ज् ऋग्वेद में 40 बार और अथर्ववेद में 9 बार श्गणच् शब्द का प्रयोग यह दर्शाता है कि हमारे पूर्वज संख्या–बल और सामूहिक निर्णय की शक्ति को भली–भांति समझते थे। प्राचीन काल की सभा और समिति इस बात का प्रमाण हैं कि प्रजातंत्र के ये दो महत्वपूर्ण स्तंभ उस समय भी सक्रिय थे।

गौरव की बात है कि भारत में गणतंत्र की अवधारणा केवल 1950 से शुरू नहीं होती, बल्कि इसकी जड़ें हमारी प्राचीन सभ्यता, वैदिक संस्कृति और इतिहास में बहुत गहराई तक फैली हुई हैं। पूरे विश्व को गणतंत्र का पाठ सबसे पहले इसी धरती से मिला। हमारे ही देश में सर्वप्रथम गणतंत्र स्थापित हुआ, जिसकी सफलता ने संसार का ध्यान अपनी ओर खींचा। ऋग्वेद और अथर्ववेद में गण, सभा और समिति जैसी संस्थाओं का उल्लेख मिलता है, जो लोकतांत्रिक ढंग से निर्णय लेती थीं। श्गणच् शब्द का अर्थ ही जनता का समूह है, जहाँ शासक का चयन योग्यता के आधार पर होता था। इतिहास के प्रमाण बताते हैं कि बिहार का वैशाली (लिच्छवी गणराज्य) विश्व का पहला सफल गणतंत्र माना जाता है। जब यूनान में नगर–राज्यों की अवधारणा आकार ले रही थी, उससे बहुत पहले भारत में पूरी तरह विकसित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ मौजूद थीं। असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और भारत विभाजन की पीड़ा के बाद 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ हमारा संविधान आधुनिक भले ही हो, लेकिन उसकी आत्मा में श्वसुधैव कुटुंबकम्च् और श्सर्वे भवन्तु सुखिनस्च् जैसी प्राचीन भारतीय भावनाएँ समाई हुई हैं। संविधान निर्माताओं ने पश्चिमी मॉडलों के साथ–साथ भारत की अपनी सांस्कृतिक विरासत और पंचायत परंपरा को भी महत्व दिया।

यह दिन केवल संविधान के लागू होने का उत्सव नहीं है, बल्कि उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर भी है, जिन्होंने एक स्वतंत्र और संप्रभु भारत का सपना देखा था। 26 जनवरी का यह राष्ट्रीय पर्व हमें याद दिलाता है कि हम एक ऐसी महान परंपरा के उत्तराधिकारी हैं, जिसने दुनिया को लोकतंत्र की दिशा दिखाई। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वर्णित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ यह सिद्ध करती हैं कि भारत में लोकतंत्र कोई आयातित विचार नहीं, बल्कि हमारी अपनी मिट्टी और वेदों की मौलिक देन है। यह भी सच है कि संविधान निर्माताओं ने इस व्यवस्था की प्रेरणा पवित्र वेदवाणी से ही ली।

यह भारतीय गणतांत्रिक परंपरा की ऐतिहासिक जड़ों को उजागर करता है और साबित करता है कि लोकतंत्र और गणतंत्र की अवधारणाएँ भारत में सहस्राब्दियों पहले से मौजूद थीं। संसार के आदिग्रंथ ऋग्वेद में 40 बार और अथर्ववेद में 9 बार श्गणच् शब्द का प्रयोग यह दर्शाता है कि हमारे पूर्वज संख्या–बल और सामूहिक निर्णय की शक्ति को भली–भांति समझते थे। प्राचीन काल की सभा और समिति इस बात का प्रमाण हैं कि प्रजातंत्र के ये दो महत्वपूर्ण स्तंभ उस समय भी सक्रिय थे। समिति आज की संसद या लोकसभा जैसी थी, जहाँ जनता और प्रतिनिधि नीति–निर्धारण के लिए एकत्र होते थे, जबकि सभा राज्यसभा या विद्वत परिषद की तरह कार्य करती थी, जहाँ अनुभवी लोग परामर्श और न्याय का दायित्व निभाते थे।

ऋग्वेद का वह मंत्र, जिसमें एकमत होकर निर्णय लेने की प्रार्थना की गई है, आधुनिक आम–सहमति के सिद्धांत का प्राचीनतम रूप माना जा सकता है। बौद्ध ग्रंथों में भगवान बुद्ध के समय शलाका अर्थात मतपत्र द्वारा मतगणना का उल्लेख मिलता है, जो यह स्पष्ट करता है कि भारत में मतदान की प्रक्रिया अत्यंत विकसित थी। गण और संघ के माध्यम से बहुमत के आधार पर निर्णय लेना हमारी प्रशासनिक कुशलता का प्रतीक था। बाद में कुछ कारणों से व्यवस्था राजतंत्र की ओर मुड़ गई, लेकिन भारत की मूल चेतना हमेशा गणतांत्रिक बनी रही।

आज की पीढ़ी के लिए यह प्राचीन भारतीय गणतांत्रिक व्यवस्था अत्यंत प्रेरक है, क्योंकि अक्सर यह मान लिया जाता है कि लोकतंत्र पश्चिम की देन है। वास्तव में गण से गणतंत्र तक की यात्रा भारत की अपनी यात्रा है। इससे हम 26 जनवरी के वास्तविक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को समझ सकते हैं। भारत के प्राचीन राजनीतिक इतिहास और विकसित संवैधानिक ढाँचे यह सिद्ध करते हैं कि आज के युग में भी हमारे लोकतंत्र की सफलता के पीछे सहस्राब्दियों पुरानी सुव्यवस्थित शासन परंपरा है।

संसदीय शब्दावली की प्राचीनता इस तथ्य से समझी जा सकती है कि आज जिसे श्कोरम्च् कहा जाता है, उसे प्राचीन काल में श्गणपूरकच् कहा जाता था। इसका अर्थ था कि न्यूनतम सदस्यों की उपस्थिति के बिना सभा मान्य नहीं होगी। सचेतक अर्थात श्हिप्च् की अवधारणा भी तब मौजूद थी, जिससे अनुशासन बना रहता था। महर्षि पाणिनि द्वारा वर्णित वृक, यौधेय और त्रिगर्त जैसे गणराज्य प्राचीन भारत के संघीय ढाँचे के सशक्त उदाहरण हैं। महाभारत में वर्णित अंधक–वृष्णि संघ, जिसके प्रमुख श्रीकृष्ण थे, एक उन्नत गणतंत्रीय संघीय व्यवस्था का प्रतीक है। महाभारत यह भी बताता है कि जनसभा में प्रत्येक सदस्य को अपनी बात रखने का अधिकार था, जो आज की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रारंभिक रूप है। अध्यक्ष का चुनाव जनता द्वारा किया जाना यह सिद्ध करता है कि सत्ता वंशानुगत नहीं, बल्कि योग्यता और जन–सहमति पर आधारित थी। कौटिल्य द्वारा लिच्छवी, वृज्जि और कम्बोज जैसे गणराज्यों का उल्लेख यह दर्शाता है कि मौर्य काल तक भी ये गणराज्य प्रभावशाली थे। पाणिनि की अष्टाध्यायी में 'जनपद' शब्द जनता की सर्वोच्चता को रेखांकित करता है।

सरल नहीं पर प्रभावशाली थे, आदर्शवादी नहीं पर निर्णायक थे अजित पवार

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। महाराष्ट्र की राजनीति को आज तब गहरा आघात लगा जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे की खबर फैलते ही राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। देखा जाये तो अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी जमीन से नाता नहीं तोड़ा। वह भले ही कभी मुख्यमंत्री न बने हों, लेकिन राज्य में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने का इतिहास उनके नाम दर्ज है। छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने वाले अजित पवार ने अलग–अलग सरकारों में अपनी प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखा। बारामती में अजित पवार की राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण उनका काम खुद था। वह उन गिने चुने नेताओं में थे जिनके लिए अपना खुद का चुनाव प्रचार एक औपचारिकता भर था। विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद बारामती की गलियों में शायद ही कभी उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चिंत रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती। अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी–एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया। दोनों पक्षों का विवाद अदालत के दरवाजे तक पहुँचा लेकिन हाल के दिनों में पवार परिवार एकजुट नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उतार कर पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों में तीखापन ला दिया था, लेकिन समय के साथ उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वह फैसला एक भूल था। राजनीति के उस कठोर दौर के बाद हालिया निकाय चुनावों में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया, वह उनके व्यक्तित्व का दूसरा और अधिक मानवीय पक्ष सामने लाता है। शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी। देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए कि उन्होंने परिवार से सुलह कर ली, टूटे रिश्तों को जोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को यह संकेत दे दिया कि टकराव नहीं, संवाद ही आगे का रास्ता है।

बुजुर्गों की सेवा में समय बैंक

विनीत नारायण

स्विट्जरलैंड में इस कार्यक्रम की शुरुआत बुजुर्गों की बढ़ती आबादी और उनकी देखभाल की जरूरतों को ध्यान में रखकर की गई थी। कार्यक्रम के अनुसार, स्वस्थ और संवाद करने में कुशल व्यक्ति बुजुर्गों की मदद करते हैं, जैसे खरीदारी करना, कमरा साफ करना, सूरज की रोशनी में बाहर ले जाना या बस बातचीत करना। प्रत्येक घंटे की सेवा को सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के व्यक्तिगत श्समय खातेच् में जमा किया जाता है। भारत जैसे देश में, जहां बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और पारंपरिक परिवार संरचना कमजोर पड़ रही है, बुजुर्गों की देखभाल एक बड़ी चुनौती बन गई है। सरकारी पेंशन योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम तो हैं, लेकिन वे अक्सर अपर्याप्त साबित होते हैं। ऐसे में, स्विट्जरलैंड की श्समय बैंकच् अवधारणा एक प्रेरणादायक मॉडल प्रस्तुत करती है, जो न केवल बुजुर्गों की देखभाल को सुनिश्चित करती है बल्कि समाज में सहानुभूति और सामुदायिक भावना को भी मजबूत करती है। यह अवधारणा, जो स्विट्जरलैंड के संघीय सामाजिक सुरक्षा मंत्रालय द्वारा विकसित की गई है, युवाओं को बुजुर्गों की सेवा करने का अवसर देती है और बदले में उन्हें भविष्य में खुद की देखभाल के लिए श्समयच् जमा करने की अनुमति देती है। भारत सरकार को इस मॉडल को अपनाने पर विचार करना चाहिए, क्योंकि यह हमारी सांस्कृतिक मूल्यों से मेल खाता है और आर्थिक बोझ को कम कर सकता है।

स्विट्जरलैंड में इस कार्यक्रम की शुरुआत बुजुर्गों की बढ़ती आबादी और उनकी देखभाल की जरूरतों को ध्यान में रखकर की गई थी। कार्यक्रम के अनुसार, स्वस्थ और संवाद करने में कुशल व्यक्ति बुजुर्गों की मदद करते हैं, जैसे खरीदारी करना, कमरा साफ करना, सूरज की रोशनी में बाहर ले जाना या बस बातचीत करना। प्रत्येक घंटे की सेवा को सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के व्यक्तिगत श्समय खातेच् में जमा किया जाता है। जब व्यक्ति खुद बुजुर्ग हो जाता है या बीमार पड़ता है, तो वह इस जमा समय को निकाल सकता है और अन्य स्वयंसेवक उसकी देखभाल करेंगे। यह प्रणाली न केवल पैसे की बचत करती है बल्कि मानवीय संबंधों को भी मजबूत करती है।

कल्पना कीजिए, एक युवा व्यक्ति जो सप्ताह में दो बार दो घंटे बुजुर्गों की सेवा करता है। एक साल बाद, श्समय बैंकच् उसके कुल सेवा समय की गणना करता है और उसे एक श्समय बैंक कार्ड्च् जारी करता है। इस कार्ड से वह भविष्य में श्समय और समय ब्याजच् निकाल सकता है। यानी, जमा समय पर ब्याज भी मिलता है, जो प्रोत्साहन का काम करता है। स्विट्जरलैंड में यह प्रथा अब सामान्य हो गई है और सरकार ने इसे समर्थन देने के लिए कानून भी पारित किया है। यह मॉडल पेंशन व्यय को कम करता है और समाज को अधिक सहयोगी बनाता है।

भारत में इस अवधारणा को लागू करने की संभावनाएं अपार हैं। एक अनुमान के तहत, 2030 तक हमारे देश में बुजुर्गों की आबादी 19 करोड़ से अधिक हो जाएगी और कई परिवारों में बच्चे शहरों में बस जाते हैं, जिससे बुजुर्ग अकेले रह जाते हैं। पारंपरिक रूप से, भारत में बुजुर्गों की देखभाल परिवार की जिम्मेदारी रही है, लेकिन आधुनिकीकरण ने इस संरचना को प्रभावित किया है। श्समय बैंकच् जैसा कार्यक्रम युवाओं को प्रोत्साहित कर सकता है कि वे बुजुर्गों की सेवा करें और बदले में उन्हें सुरक्षा का आश्वासन मिले। यह न केवल सरकारी संसाधनों पर दबाव कम करेगा बल्कि बेरोजगार युवाओं को सार्थक कार्य प्रदान करेगा।उदाहरण के लिए, स्विट्जरलैंड की एक कहानी से प्रेरणा लें। वहां एक 67 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षिका क्रिस्टीना एक 87 वर्षीय बुजुर्ग की देखभाल करती थीं। उन्होंने कहा कि वह पैसे के लिए नहीं, बल्कि श्समय बैंकच् में समय जमा करने के लिए ऐसा कर रही थीं। जब वे खुद घायल हुईं, तो श्समय बैंकच् ने तुरंत एक नर्सिंग कार्यकर्ता भेजा, जो उनकी देखभाल करने लगा। कुछ दिनों में वे स्वस्थ हो गईं और फिर से सेवा में लग गईं। यह कहानी दर्शाती है कि कैसे यह प्रणाली व्यावहारिक और प्रभावी है। भारत में भी, यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर ऐसा कार्यक्रम शुरू करें, तो लाखों बुजुर्गों का जीवन बेहतर हो सकता है।

हालांकि, भारत में इसे लागू करने से पहले कुछ चुनौतियों पर विचार करना जरूरी है। सबसे पहले, कार्यक्रम की प्लेटफार्म की जरूरत होगी, जहां सेवा घंटों को रिकॉर्ड किया जा सके। आधार कार्ड और डिजिटल इंडिया जैसे मौजूदा सिस्टम इसमें मदद कर सकते हैं। दूसरा, स्वयंसेवकों की ट्रेनिंग जरूरी है, ताकि वे बुजुर्गों की भावनात्मक और शारीरिक जरूरतों को समझ सकें। तीसरा, दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रिया होनी चाहिए, जैसे कि समय निकासी के समय पहचान जांच। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की कमी एक समस्या हो सकती है, इसलिए ऑफलाइन मोड भी विकसित किया जाना चाहिए।सरकार को दिल्ली या मुंबई जैसे शहरों में इसे पायलट प्रोजेक्ट की तरह से शुरुआत करनी चाहिए। यदि सफल राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के साथ एकीकृत किया जा सकता है। निजी क्षेत्र की भागीदारी भी महत्वपूर्ण होगी। कॉर्पोरेट घराने एनजीओ को अपने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड्स और स्थानीय समुदायों द्वारा इसे सहयोग करें। इससे न केवल बुजुर्गों की देखभाल सुनिश्चित होगी बल्कि युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़ेगी।

इस अवधारणा के सामाजिक लाभ भी कम नहीं हैं। आज के दौर में, जहां अकेलापन एक महामारी बन गया है, श्समय बैंकच् लोगों को जोड़ सकता है। बुजुर्गों से बातचीत करने से युवाओं को जीवन के अनुभव मिलेंगे, और बुजुर्गों को भावनात्मक समर्थन। यह भारतीय मूल्योंकृजैसे श्सेवा परमो धमरूच् से मेल खाता है। स्विट्जरलैंड में यह प्रणाली पेंशन को पूरक बनाती है, जहां पेंशन इतनी अच्छी है कि भोजन और आवास की चिंता नहीं होती, लेकिन भारत में जहां पेंशन सीमित है, यह एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है।

आर्थिक दृष्टि से भी यह फायदेमंद है। भारत में बुजुर्ग देखभाल पर खर्च बढ़ रहा है नर्सिंग होम और अस्पताल महंगे हैं। श्समय बैंकच् से स्वयंसेवी देखभाल बढ़ेगी, जिससे सरकारी व्यय कम होगा। विश्व बैंक की रिपोर्ट्स बताती हैं कि एजिंग पॉपुलेशन विकासशील देशों के लिए चुनौती है, लेकिन ऐसे नवाचारी मॉडल से इसे अवसर में बदला जा सकता है। स्विट्जरलैंड में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक चल रहा है और अब दुनिया के अन्य देशों को इसे अपनाना चाहिए।

भारत सरकार केंद्र और राज्य स्तर पर को इस श्समय बैंकच् अवधारणा पर विचार करना चाहिए। इसे लागू करने के लिए एक टास्क फोर्स गठित की जाए, जो स्विट्जरलैंड के मॉडल का अध्ययन करे और भारतीय संदर्भ में अनुकूलित करे। यदि हम आज कदम उठाएं, तो कल के बुजुर्गकृजो आज के युवा हैंकृ एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सकेंगे। यह न केवल एक नीति है, बल्कि मानवता का निवेश है। समय सबसे मूल्यवान मुद्रा है और इसे बैंक में जमा करने का विचार दुनिया को बदल सकता है। आइए, हम इसे अपनाएं और एक बेहतर समाज बनाएं।

आज का राशिफल

मेष राशि
मंगलवार को मेष राशि वालों के लिए दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहने वाला है। सुबह के समय नए कार्यों को शुरू करने की इच्छा प्रबल रहेगी और आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ महसूस होगा।

वृषभ राशि
के जातकों के लिए दिन थोड़ा उलझन भरा हो सकता है। कुछ काम अपेक्षा के अनुसार पूरे न होने से मन असंतुष्ट रह सकता है। कार्यस्थल पर दबाव अधिक महसूस होगा,

मिथुन राशि
मिथुन राशि वालों के लिए यह दिन सक्रियता और संपर्कों से भरा रहेगा। पारिवारिक और व्यावसायिक दोनों मोर्चों पर व्यस्तता बनी रहेगी। कोई नया अवसर या जिम्मेदारी मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

कर्क राशि
के जातकों के लिए यह दिन जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए प्रयासों की शुरुआत हो सकती है, लेकिन शुरुआत में दिशा को लेकर असमंजस महसूस होगा।

सिंह राशि –
वालों के लिए दिन की शुरुआत कुछ भारीपन के साथ हो सकती है। मानसिक तनाव या चिंता के कारण एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। दोपहर के बाद परिस्थितियों में सुधार आएगा

कन्या राशि–
के जातकों के लिए यह दिन संयम और धैर्य की मांग करेगा। नए कार्यों या लंबी यात्राओं को फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। मानसिक रूप से आप अंतर्मुखी रह सकते हैं और आध्यात्मिक विषयों की ओर झुकाव बढ़ सकता है।

तुला राशि–
वालों के लिए मंगलवार का दिन सकारात्मक शुरुआत के साथ आएगा। नया काम शुरू करने या किसी योजना पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं और किसी अहम मीटिंग से फायदा हो सकता है।

वृश्चिक राशि–
के जातकों के लिए यह दिन बौद्धिक गतिविधियों और योजनाओं में व्यस्त रहने वाला है। धन से जुड़े मामलों में समय अनुकूल है और व्यापार में लाभ मिलने की संभावना है।

धनु राशि–
वालों को मंगलवार को स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। मेहनत के बावजूद अपेक्षित परिणाम न मिलने से निराशा हो सकती है।

मकर राशि–
के जातकों के लिए यह दिन भावनाओं पर नियंत्रण रखने का है। जमीन–जायदाद या दस्तावेजों से जुड़े मामलों में सतर्कता जरूरी रहेगी। मानसिक चिंता बनी रह सकती है,

कुंभ राशि–
वालों के लिए दिन नए विचारों और योजनाओं से भरा रहेगा। हालांकि किसी बड़े निर्णय को लेने से पहले रुककर सोचने की जरूरत होगी।

मीन राशि–
के जातकों के लिए मंगलवार को आर्थिक मामलों में सतर्कता जरूरी रहेगी। खर्च बढ़ने से चिंता हो सकती है और आय बढ़ाने के नए विकल्पों पर विचार करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कड़ी रहेगी और विरोधी सक्रिय रह सकते हैं।

चार दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ भव्य फाइनल

आजमगढ़ सगड़ी तहसील क्षेत्र के अजमतगढ़ बाजार में आयोजित चार दिवसीय अजमतगढ़ क्लब फूल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मंगलवार की शाम बड़े ही रोमांचक अंदाज में खेला गया। टूर्नामेंट में क्षेत्र की कई मजबूत टीमों ने प्रतिभाग किया, जिससे दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला।टूर्नामेंट का आयोजन अध्यक्ष कुनाल राजभर एवं अफसर अंसारी के नेतृत्व में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में कार्यकर्ता सुमित जायसवाल, अरुण, राज, आनंद और अनुराग का विशेष योगदान रहा। सभी मैच 6 ओवर के प्रारूप में खेले गए।प्रथम पुरस्कारू 3100 नगद एवं ट्रॉफी कृ डॉ. रविंद्र जी की ओर से द्वितीय पुरस्कारू घ2100 नगद एवं ट्रॉफी कृ डॉ. दीपक जायसवाल की ओर से सेमीफाइनल मुकाबले पहला सेमीफाइनल तरोवका और काजीगांव के बीच खेला गया, जिसमें तरोवक की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 102 रन बनाए। जवाब में काजीगांव की टीम केवल 67 रन ही बना सकी और प्रतियोगिता से बाहर हो गई। इस जीत के साथ तरोवक ने फाइनल में प्रवेश किया।दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला बकोपुर और के0एल0जी0 सेवा सदन लीजेंडरी अजमतगढ़ के बीच खेला गया। बकोपुर की टीम ने 121 रन बनाकर 122 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए के0एल0जी0 लीजेंडरी अजमतगढ़ की टीम ने महज 4.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और फाइनल में जगह बनाई।फाइनल मुकाबला फाइनल मैच तरोवक और के0एल0जी0 सेवा सदन लीजेंडरी अजमतगढ़ के बीच खेला गया। टॉस जीतकर तरोवक की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। तरोवका की टीम ने 5 ओवर में 51 रन बनाए। जवाब में के0एल0जी0 सेवा सदन की टीम ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र 4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर मुकाबला जीत लिया। विजेता टीम में प्रमुख रूप सेमुलायम यादव, डॉ. रविंदर यादव, सहवंत सोनकर, आराफ, अमन, अरीब, गुड्डू यादव, सफावन, सिबान और नोसिम शामिल रहे। फाइनल के बाद पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आयोजकों एवं अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के खेल आयोजनों से क्षेत्र के युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ती है और आपसी भाईचारे को भी मजबूती मिलती है।

बच्चों ने लगाई विज्ञान प्रदर्शनी, विभिन्न मश्डलो ने मोहा लोगों का मन।

आजमगढ़ (आर एन एस)अतरौलिया क्षेत्र के मां जानकी इंटर कॉलेज के प्रांगण में ठभ्ै एकेडमी के बच्चों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में छोटे–छोटे बच्चों ने अपनी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे देखकर अभिभावक व आगंतुक काफी प्रभावित नजर आए।विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा चार के बच्चों द्वारा सोलर सिस्टम का मॉडल प्रस्तुत किया गया, जिसमें ग्रहों की संरचना और उनकी गति को सरल तरीके से समझाया गया। वहीं कक्षा छह के बच्चों ने मिशन चंद्रयान पर आधारित मॉडल बनाकर भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों की जानकारी दी। कक्षा दो के बच्चों द्वारा बनाए गए सक्रिय ज्वालामुखी के मॉडल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके अलावा भी विज्ञान से संबंधित कई अन्य उपयोगी और रोचक मॉडल प्रदर्शनी में शामिल रहे।प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना और उनके अंदर छिपी प्रतिभा को निखारना था। बच्चों ने बताया कि प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी मॉडल उन्होंने अपनी पाठ्यपुस्तकों और शिक्षकों के मार्गदर्शन से सीखकर स्वयं तैयार किए हैं। बच्चों ने आगंतुकों को अपने–अपने मॉडलों की जानकारी भी दी, जिससे उनका आत्मविश्वास साफ झलक रहा था।प्रदर्शनी में मिशन चंद्रयान पर आधारित मॉडल सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र रहा। इस मॉडल के माध्यम से बच्चों ने इसरो द्वारा किए जा रहे अंतरिक्ष अनुसंधान और देश की वैज्ञानिक प्रगति की जानकारी लोगों तक पहुंचाई, जिससे दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

मुख्य अतिथि निगम सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की विज्ञान प्रदर्शनी यह साबित करती है कि ग्रामीण और गरीब अंचल के बच्चे भी प्रतिभा में किसी से कम नहीं हैं। यदि उन्हें सही मार्गदर्शन और सहयोग मिले, तो वे भविष्य में देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

वहीं जय नाथ सिंह ने बच्चों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रदर्शनी को देखकर उन्हें अपना बचपन याद आ गया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान वे भी इस तरह की कलाकृतियां और मॉडल बनाते थे। आज के बच्चे विज्ञान से जुड़ी प्रदर्शनी लगा रहे हैं, जो यह संकेत देता है कि आने वाला भविष्य निश्चित रूप से उज्ज्वल होगा।

यूजीसी के छात्रों का यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन, करणी सेना और भारतीय किसान मजदूर संगठन ने किया समर्थन

मेरठ। यूजीसी द्वारा हाल ही में जारी किए गए नए नियमों के विरोध में मंगलवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के छात्रों, करणी सेना और भारतीय किसान मजदूर संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इन नियमों को सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए हानिकारक बताते हुए इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की।प्रदर्शन में प्रमुख रूप से मदन पाल सिंह (भारतीय किसान मजदूर संगठन), राहुल कुशवाहा (नगर अध्यक्ष, भारतीय किसान मजदूर संगठन), करणी सेना के प्रतिनिधि और विश्वविद्यालय के छात्र शामिल रहे।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यूजीसी के नए नियमों के कारण विश्वविद्यालयों में पढ़ाई का माहौल प्रभावित होगा और छात्रों के बीच आपसी मतभेद बढ़ेंगे। उनका आरोप है कि सरकार भले ही समानता लाने की बात कर रही हो, लेकिन यह नियम व्यवहार में समानता के बजाय असमानता को बढ़ावा देंगे।छात्र नेताओं ने कहा कि नए नियमों के तहत जब कोई छात्र प्रवेश लेगा तो उसे पढ़ाई के बजाय शिकायतों और आरोपों की आशंका में जीना पड़ेगा। सामान्य वर्ग के छात्रों के खिलाफ झूठे आरोप लगाए जाने की संभावनाएं बढ़ेंगी, जिससे वे मानसिक दबाव में आ जाएंगे। इसके साथ ही, शिकायत समितियों में भी केवल शिकायत दर्ज कराने वालों के प्रतिनिधित्व की बात कही जा रही है, जिससे सामान्य वर्ग के छात्रों के हितों की अनदेखी होगी।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यदि सरकार वास्तव में समानता चाहती है तो ऐसे नियम बनाए जाएं, जिनसे सभी वर्गों के छात्र एक साथ, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में शिक्षा ग्रहण कर सकें। इस दौरान यह भी घोषणा की गई कि यूजीसी के नए नियमों के विरोध में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा और उनसे इन नियमों को वापस लेने की मांग की जाएगी।प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन छात्रों और संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारी छात्र शांति रैली निकालकर कचहरी तक जाना चाह रहे थे, लेकिन पुलिस ने कचहरी में चल रहे चुनाव तो देखते हुए छात्रों को विश्वविद्यालय परिषद में ही रोक दिया है। उधर, छात्र नेता विनीत चपराना का कहना है कि यूजीसी बिल में एससी, एसटी के छात्रों के साथ ओबीसी वर्ग के छात्रों को शामिल होने से समाज में एक सकारात्मक संदेश गया है। यूनिवर्सिटी में आज भी एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग के छात्र भेदभाव का सामना कर रहे हैं। इसलिए यूजीसी के इस निर्णय का समर्थन करते हैं।

सेंट्रल मार्केट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, जल्द ध्वस्तीकरण के आदेश

कहा-आपके पास बहुत बुलडोजरय अब चलाइए!

मेरठ। सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल मार्केट में आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ दायर याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने स्पष्ट आदेश दिया है कि छह सप्ताह के भीतर सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर इसकी अनुपालन रिपोर्ट कोर्ट में पेश की जाए। न्यायाधीशों ने राज्य सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि आपके पास बहुत बुलडोजर हैं अब चलाइए उनको। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह अपने आदेश को परिवर्तित करने से इनकार करती है।

सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने राज्य सरकार के इस अनुरोध को भी ठुकरा दिया कि अवैध निर्माणों के विनियमितिकरण के प्रस्तावों को स्वीकृति दी जाए। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के न्याय कक्ष संख्या 6 में हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ता मलखान सिंह ने व्यापारियों के हित में परिषद का पक्ष रखते हुए अवैध निर्माणों के नियमितीकरण की गुहार लगाई थी। आरटीआई कार्यकर्ता लोकेश खुराना के अधिवक्ता तुषार जैन ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है।

अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की समय–सीमातुषार जैन ने बताया कि अदालत ने निर्देश दिया है कि छह सप्ताह की अवधि के भीतर सभी प्रकार के अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाए। इसके बाद ध्वस्तीकरण की अनुपालन रिपोर्ट याचिकाकर्ता के वकील के माध्यम से कोर्ट को सौंपी जानी चाहिए। इस सुनवाई के दौरान सेंट्रल मार्केट के कई व्यापारी भी उपस्थित रहे जो अदालती फैसले का इंतजार कर रहे थे।सेंट्रल मार्केट को बाजार स्ट्रीट बनाने की योजनाइसी बीच आवास आयुक्त ने सेंट्रल मार्केट को बाजार स्ट्रीट के रूप में विकसित करने की योजना के तहत 15 दिनों के भीतर आम जनता से आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं। विभाग की 274वीं बोर्ड बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 36 मीटर चौड़ी सड़क पर दो, 24 मीटर सड़क पर एक, 18 मीटर चौड़ी सड़क पर 50 और 12 मीटर चौड़ी सड़क पर 27 भूखंडों का व्यावसायिक और मिश्रित भू–उपयोग किया जाना है। इच्छुक व्यक्ति वास्तुविद नियोजक, वास्तुकला तथा नियोजन अनुभाग, नीलगिरी कॉम्प्लेक्स, इंदिरा नगर, लखनऊ स्थित कार्यालय में लिखित रूप में या ई–मेल बंच/नचंअच.बवउ के माध्यम से अपनी आपत्ति और सुझाव 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत कर सकते हैं।पुराने इलाकों में अवैध निर्माण पर तीन फरवरी को होगी सुनवाई

शहर के पुराने इलाकों, जैसे लाला का बाजार, खैर नगर और वैली का बाजार,में 100 साल से अधिक पुराने मकानों में बन रहे अवैध कॉम्प्लेक्स के मामले में भी एक याचिका हाईकोर्ट में लंबित है।

सरकारी रास्ते पर हौज बनाने को लेकर चली गोली, संघर्ष में दोनों पक्षों के चार लोग घायल

सरधना (मेरठ)। सरधना थाना क्षेत्र के नवाबगढ़ी में बुधवार को सरकारी रास्ते पर हौज बनाने के विरोध में गोली चल गई। इस दौरान गोली एक युवक के उल्टे हाथ में लगी। वहीं बीच–बचाव में उसका पिता भी घायल हो गया। वहीं दूसरे पक्ष से भी दो घायल हुए। स्वजन दोनों पक्षों के घायलों को सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां से चिकित्सकों ने दो को मेरठ रेफर कर दिया। दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर गंभीर आरोप लगाकर तहरीर दी है।नवाबगढ़ी निवासी मोहिन गुर्जर पुत्र शाहिद ने आरोप लगाते हुए बताया कि गांव के कुछ लोग सरकारी रास्ते पर हौज बना रहे हैं। जिसका बीते दिनों उसके पिता शाहिद ने विरोध किया था। बुधवार को आरोपितों ने हौज बनवाने के लिए मिस्त्री लगा रखा था। तभी शाहिद ने विरोध किया। जिस पर आरोपितों ने गाली–गलौज शुरू कर दी।

शोर–शराबा होने पर जब मोहिन मौके पर पहुंचा। तभी आरोपित ने तमंचे से गोली चलाकर मारपीट शुरू कर दी। जो मोहिन को छूकर निकल गई और दूसरी उसके उल्टे हाथ पर लग गई। जिसमें मोहिन व बीच–बचाव में उसका पिता घायल हो गया। वहीं दूसरे पक्ष से मोनू पुत्र आबिद ने बताया कि वह बाहरी काम कर घर आ रहा था। तभी आरोपितों ने उसके बड़े भाई शाहरूख पर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया। जब विरोध किया। इस पर आरोपितों ने उस पर राड से हमला कर दिया।

यूजीसी एक्ट के खिलाफ प्रदर्शन, सवर्ण आर्मी ने कलेक्ट्रेट घेरा

वकीलों ने पुतला फूंका, काला कानून बताया

प्रयागराज। प्रयागराज में यूजीसी एक्ट में हालिया संशोधनों को लेकर विरोध की आग तेज होती जा रही है। मंगलवार को संगम नगरी के अलग–अलग इलाकों में छात्रों, अधिवक्ताओं और सामाजिक संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश जाहिर किया। प्रदर्शनकारियों ने इन बदलावों को शिक्षा व्यवस्था और सामान्य वर्ग के छात्रों के भविष्य के लिए घातक बताते हुए इसे ष्काला कानूनष करार दिया।कलेक्ट्रेट परिसर में सवर्ण आर्मी के बैनर तले बड़ा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पांडेय के आह्वान पर यमुना पार इकाई के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्र हुए। जिला अध्यक्ष आनंद कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हाथों में पोस्टर–बैनर लेकर जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यूजीसी एक्ट में किए गए संशोधन से सामान्य श्रेणी के छात्रों के अवसर सीमित होंगे और शिक्षा में समानता का संतुलन बिगड़ेगा।स दौरान आनंद कुमार द्विवेदी ने कहा कि यह कानून सामान्य वर्ग के छात्रों के हितों के खिलाफ है और यदि सरकार ने इसे तत्काल वापस नहीं लिया, तो इसका राजनीतिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा। प्रदर्शन के बाद सवर्ण आर्मी के प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया और चेतावनी दी कि मांगें न माने जाने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।विरोध की दूसरी बड़ी तस्वीर हाईकोर्ट के समीप आंबेडकर चौराहे पर देखने को मिली, जहां अधिवक्ताओं ने यूजीसी एक्ट के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कानून का पुतला फूंका। वकीलों का कहना था कि यह संशोधन शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता पर असर डालता है और छात्रों के अधिकारों को कमजोर करता है। प्रदर्शन के दौरान सरकार विरोधी नारेबाजी भी की गई।इस दौरान आनंद कुमार द्विवेदी ने कहा कि यह कानून सामान्य वर्ग के छात्रों के हितों के खिलाफ है और यदि सरकार ने इसे तत्काल वापस नहीं लिया, तो इसका राजनीतिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा। प्रदर्शन के बाद सवर्ण आर्मी के प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया और चेतावनी दी कि मांगें न माने जाने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।उधर हाईकोर्ट के समीप आंबेडकर चौराहे पर अधिवक्ताओं ने यूजीसी एक्ट के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कानून का पुतला फूंका। वकीलों का कहना था कि यह संशोधन शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता पर असर डालता है और छात्रों के अधिकारों को कमजोर करता है। प्रदर्शन के दौरान सरकार विरोधी नारेबाजी भी की गई।प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग है कि यूजीसी एक्ट में किए गए सभी संशोधनों को बिना शर्त वापस लिया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया कि यदि सरकार ने संवाद का रास्ता नहीं अपनाया, तो यह आंदोलन प्रदेशव्यापी रूप ले सकता है।प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग है कि यूजीसी एक्ट में किए गए सभी संशोधनों को बिना शर्त वापस लिया जाए।

कलेक्ट्रेट गेट बंद करने पर नाराज हुए किसान नेता

जबरन गेट खोलकर भीतर घुसे

प्रयागराज। कलेक्ट्रेट गेट पर उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच नोकझोंक हो गई। जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें अंदर जाने से रोकने के लिए कलेक्ट्रेट गेट पर ताला लगाने की कोशिश की गई।भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जैसे ही कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश करने लगे, सुरक्षाकर्मियों ने गेट बंद कर ताला लगाने का प्रयास किया। कार्यकर्ताओं की संख्या अधिक होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई थी, लेकिन इसी बात को लेकर मामला तनावपूर्ण हो गया। जंजीर और ताला हटाकर भीतर घुसे कार्यकर्ता सुरक्षाकर्मियों की कार्रवाई से नाराज भाकियू नेताओं ने गेट पर लगी जंजीर और ताला हटाया और परिसर में प्रवेश कर गए। इस दौरान पदाधिकारी और कार्यकर्ता गेट पर धकियाते हुए आगे बढ़े। इससे कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण बनता भी दिखाई दिया। खास बात यह कि इस दौरान वहां एक दरोगा भी मौजूद था।भीतर प्रवेश के दौरान किसान नेताओं ने सुरक्षाकर्मियों से सवाल किया कि क्या वे आतंकवादी हैं, जो उनके लिए गेट पर ताला लगाया जा रहा है। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने स्थिति को संभालने की कोशिश की। सोमवार को भारतीय किसान यूनियन द्वारा बड़ी संख्या में ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। यह यात्रा झलवा के हाथी चौराहा से शुरू होकर जिला मुख्यालय पर संपन्न हुई।ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा के समापन के बाद भाकियू के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। इसी दौरान गेट पर रोक लगाए जाने से नाराजगी बढ़ गई। भाकियू के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष अनुज सिंह ने गेट पर लगी जंजीर और ताला अपने हाथ में लेकर खोल दिया और कार्यकर्ताओं के साथ परिसर में प्रवेश कर गए। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन देने आए लोगों को रोका जाना गलत है।

रात को ड्यूटी से लौट रही थी पत्नी, घात लगाए बैठे पति ने चाकू से किए ताबड़तोड़ वार, मौत

मेरठ। मेडिकल थाना क्षेत्र के गांव कमालपुर में सोमवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां शमीना (40) की उसके ही पति वकील ने चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी। मृतका का अपने पति से पिछले काफी समय से विवाद चल रहा था और वह करीब एक साल से अपने बच्चों के साथ अलग रह रही थी।वार्ड आया का काम करने वाली शमीना के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस ने मंगलवार शाम को हत्या में प्रयुक्त चाकू के साथ आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह शमीना के चरित्र पर शक करता था, इसी शक के चलते उसने इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया।20 साल पहले हुई थी शादी, दंपती के हैं छह बच्चेमेडिकल थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के श्यामनगर निवासी शमीना की शादी करीब 20 साल पहले भावनपुर थाना क्षेत्र के गढ़ रोड स्थित गांव गोकलपुर निवासी वकील के साथ हुई थी। वकील पेशे से ट्रक चालक है और दोनों के छह बच्चे हैं। उनकी 18 वर्षीय बड़ी बेटी सिलाई का काम करके परिवार की आर्थिक मदद करती है।शमीना काफी समय से गढ़ रोड पर स्थित फैमली हॉस्पिटल में वार्ड आया का काम करती थी। सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी ने बताया कि पति–पत्नी के बीच चल रहे विवाद के कारण शमीना लगभग 11 महीने पहले अपने बच्चों के साथ कमालपुर गांव में एक कमरा लेकर रहने लगी थ। इस दौरान उसका अपने पति से मिलना–जुलना और बात करना पूरी तरह से बंद था।रात के अंधेरे में घात लगाकर की गई हत्यासीओ के अनुसार, सोमवार की रात करीब नौ बजे शमीना हॉस्पिटल से अपने घर कमालपुर लौट रही थी। इसी दौरान उसका पति वकील रास्ते में घात लगाकर उसका इंतजार कर रहा था। शमीना के मकान से लगभग 200 मीटर पहले ही वकील ने उसे घेर लिया और उस पर चाकू से कई वार किए।उसने शमीना के गर्दन, चेहरे, सीने और पेट पर अनगिनत प्रहार किए और फिर वहां से फरार हो गया। शमीना की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए और वकील को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह हाथ नहीं आया। लहूलुहान शमीना वहीं गिर पड़ी और उसने लोगों को बताया कि उसके पति वकील ने उस पर हमला किया है।परिजनों को सूचना, मेडिकल कॉलेज में भर्तीस्थानीय लोगों ने तुरंत शमीना के परिजनों को सूचना दी और उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। उपचार के दौरान कुछ समय बाद शमीना ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही श्यामनगर से शमीना के मायके वाले भी मेरठ मेडिकल पहुंच गए थे।आरोपी पति गिरफ्तार, हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद सीओ अभिषेक तिवारी ने आगे बताया कि शमीना के भाई शमीम की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर मेडिकल थाना पुलिस ने उसके बहनोई वकील के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें लगाई गई थीं। मंगलवार शाम को पुलिस ने हत्यारोपी वकील को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पत्नी के चरित्र पर शक को ही हत्या का कारण बताया है। पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है और बुधवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। पोस्टमार्टम के बाद शमीना के शव को उसके मायके वालों के सुपुर्द कर दिया गया है।

दो लाख की रिश्वत लेते धरे गए अभियंता के पास तलाशी में मिले साढ़े सात लाख

मेरठ। विजिलेंस की टीम ने सिंचाई विभाग के अवर अभियंता ब्रजराज सिंह को दो लाख की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ की रफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय 7 लाख 46 हजार की रकम उनकी कर से बरामद हुई, जबकि 54000 जब से बरामद किए गए।शिकायतकर्ता की अपने पिता के नाम से डीएस कांट्रेक्टर नाम की फर्म रजिस्टर्ड है। उक्त फर्म सिंचाई विभाग में सिविल कार्य पुल बनाना, नहर सफाई करना इत्यादि करता है। फर्म को अधिशासी अभियंता मेरठ खण्ड गंग नहर, मेरठ द्वारा मछरी माईनर के किमी 0.800 से किमी 1.600 तक पुर्नस्थापना का कार्य दिया गया, जिसका एग्रीमेंट एक दिसम्बर में किया गया था। 30 दिसंबर को डीएस फर्म ने अपना काम पूरा कर दिया था।उसके बाद भी पेमेंट फर्म को नही किया। ठेकेदार सिंचाई विभाग के ऑफिस में जाकर ब्रजराज सिंह अवर अभियंता से मिला। ब्रजराज सिंह ने कहा कि तुम्हारा आधा कार्य होने की रिपोर्ट मिली है। इसलिए आधा पेमेंट करा रहा हु। पेमेंट होते ही हमारा हिस्सा लाकर हमें दे देना, हमारा कमीशन हमें मिलने के बाद ही तुम्हारा बाकी काम पूरा होने की रिपोर्ट देकर, बाकी पेमेंट कराया जायेगा। 14 जनवरी को 432644 रुपये तुम्हारे खाते में चले गये हैं। इसके बाद ठेकेदार फिर अवर अभियंता से मिला, तो उन्होंने कहा कि हमारा कमीशन लाकर दो तभी बाकी पेमेंट भी कर देंगे। अन्यथा एक साल के बाद होगा या नहीं भी होगा, फिर नहीं कह सकते।ठेकेदार ने कहा कि आपका कमीशन कितना बनेगा, इस पर अवर अभियंता ने हिसाब जोड़कर बताया कि 432644 रुपए तुम्हारे खाते में चले गये, जीएसटी व लेबर सैस काटकर और बचे हैं 371000 रुपए। इन सबका 03 लाख रुपये कमीशन लाकर दो, तो बाकी पेमेंट के दिया जाएगा। इस पर ठेकेदार ने सतर्कता अधिष्ठान, मेरठ सेक्टर, मेरठ की टीम द्वारा मंगलवार को ब्रजराज सिंह, अवर अभियंता, कार्यालय अधिशासी अभियंता, मेरठ खण्ड गंगनहर, मेरठ को दो लाख रुपये दिए। तभी विजिलेंस की टीम ने अवर अभिनता को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के दौरान सर्च करने पर उनकी कार से रु0 746000.00 व जेब से रु0 54000.00 बरामद हुए।

आयुक्तमेरठ मंडल मेरठ की अध्यक्षता में स्थानीय निकायो, बेसिक शिक्षा समितियो में आपत्तियो के निस्तारण हेतु आहूत की गई बैठक

मेरठ। आज आयुक्त सभागार में आयुक्त मेरठ मंडल मेरठ भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में स्थानीय निकायो, बेसिक शिक्षा समितियो में लंबित ऑडिट आपत्तियो के निस्तारण के अनुश्रवण हेतु अनुश्रवण समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियो द्वारा ऑडिट आपत्तियो की अनुपालन आख्या आयुक्त महोदय के समक्ष प्रस्तुत की गई। आयुक्त महोदय द्वारा समस्त संबंधित अधिकारियो को समय से ऑडिट आपत्तियो का निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिये गये।उप निदेशक स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग उ0प्र0 मेरठ मंडल मेरठ श्री देवेन्द्र ने बताया कि मुख्यालय से आठ कि0मी0 की परिधि के अंदर व आठ कि0मी0 की परिधि से बाहर शासनादेश के अनुसार ही एच0आर0ए0 दिया जाये, जिससे शासन के धन की हानि न हो।

पुलिस को देख कर पशु तस्कर गाड़ी छोड़कर भाग

लालगंज, मीरजापुर। पशु तस्कर प्रयागराज–मीरजापुर की सीमा पर एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। मंगलवार को भोर में मुखबिर से मिले सूचना पर सक्रिय हुई लालगंज थाना की पुलिस ने कुशियरा जंगल के रानीबारी गांव के पास से पिकअप पर लदे नौ बैल और पिकअप को पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस को देख कर तस्कर गाड़ी छोड़कर भाग गए। पुलिस ने कुछ दूर तक तस्करों का पीछा किया लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर भाग गए। लालगंज पुलिस को सूचना मिली की कुशियरा जंगल की तरफ से रानीबारी गांव के पास मंगलवार को चार बजे भोर में एक पिकअप पर बाय लाकर तस्कर निकलने वाले हैं। रानीबारी गांव के आगे कुशियरा जंगल के पास पहुंचने वाली थी कि तस्कर पुलिस की वाहन को देखकर बैल लदे पिकअप को छोड़कर जंगल में भाग गए। पुलिस ने कुछ दूर तक तस्करों का पीछा किया लेकिन वह जंगल में भाग गए। बरामद नवगोवंश बैल को महुलार स्थित गोवा श्रेया स्थल में पहुंचाया गया है। अज्ञात को तस्करों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत थाने में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। प्रभारी निरीक्षक अभय कुमार सिंह ने बताया कि तस्करों का एक गिरोह है जो प्रयागराज की तरफ से जंगल से होते हुए बिहार बंगाल के लिए लेकर पशुओं को जाते हैं। इनमें से कुछ तस्कर पहले पकड़े जा चुके हैं। कुछ है फरार है जिनकी गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के समीप डा. आंबेडकर की नई प्रतिमा का अनावरण

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के समीप संविधान के रचयिता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की नई प्रतिमा का अनावरण किया गया। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने गणतंत्र दिवस पर प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा के अनावरण समारोह में महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने संविधान के शिल्पकार को नमन करते हुए कहा कि यह समता, समानता और समरसता की ओर प्रयागराज का सशक्त कदम है। यह ऐतिहासिक अवसर सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति नगर निगम तथा शहरवासियों की दृढ़ प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक बना। चौराहे पर पुरानी की जगह नई प्रतिमा लगाई गई है। इस अवसर पर नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा, अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव, पार्षदगण पंकज जायसवाल, आकाश सोनकर, किरन जायसवाल, सुनीता चोपड़ा, मयंक यादव, शिव कुमार भारतीय, हिमालय सोनकर आदि मौजूद रहे।

शिक्षक के घर का ताला तोड़कर दिनदहाड़े नकदी व जेवरात चोरी

प्रयागराज। करैलाबाग में चोरों ने दिनदहाड़े एक शिक्षक के घर का ताला तोड़कर ढाई लाख रुपये नकदी, लाखों रुपये मूल्य के सोने–चांदी के जेवरात व दो एटीएम पर हाथ साफ कर लिया। सीसीटीवी फुटेज में दो शातिर स्कूटी से चोरी के बाद सामान ले जाते दिखे हैं। करेली थाना पुलिस एफआईआर दर्ज कर शातिरों की तलाश में जुटी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार करैलाबाग निवासी शैलराज सिंह आदर्श ग्राम इंटर कॉलेज चरवा कौशाम्बी में शिक्षक है। बीते 24 जनवरी को परिवार बाहर गया था, जबकि शैलराज सिंह घर का ताला बंद कर सुबह लगभग साढ़े आठ बजे ड्यूटी पर जाने के लिए निकल गए। वह दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे घर लौटे, तो ताला टूटा मिला। जबकि, कमरे के अंदर सामान बिखरा था। शैलराज सिंह ने अपनी तहरीर में ढाई लाख रुपये नकदी, सोने चांदी के जेवरात व दो एटीएम चोरी होने का जिक्र किया है। नकदी व जेवरात बेटी की शादी की तैयारी के लिए रखा था। घर से करीब 50 मीटर दूर सीसीटीवी कैमरे में दो संदिग्ध स्कूटी से सामान ले जाते दिखे हैं। उधर, करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी कैमरे की मदद से संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

शंकराचार्य ने दिया सरकार से भी बड़ा पद देने का प्रस्ताव

प्रयागराज। ब्राह्मण समाज की अस्मिता और सम्मान को मुद्दा बनाकर अचानक इस्तीफा देने वाले बरेली से सिटी मजिस्ट्रेट पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने फोन पर बात की है। शंकराचार्य ने सनातन को लेकर उठाए गए उनके कदम की सराहना की और उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही शंकराचार्य ने उन्हें बड़ा ऑफर भी दिया है। अलंकार अग्निहोत्री ने गणतंत्र दिवस के मौके पर इस्तीफा देकर प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों हलके में हड़कंप मचा दिया है। उन्होंने माघ मेले में शंकराचार्य और उनके ब्राह्मण बटुकों के साथ हुए अन्याय और यूजीसी के नए एक्ट के विरोध में इस्तीफे का ऐलान किया है। इसके साथ ही यूपी सरकार को ब्राह्मण विरोधी करार दिया है। देर रात अलंकार को निलंबित भी करते हुए उनके खिलाफ जांच का आदेश दे दिया गया है।प्रयागराज में मौनी अमावस्या से ही अपने शिविर के बाहर डेरा जमाए शंकराचार्य ने अलंकार से फोन पर बातचीत की।अलंकार ने चरण स्पर्श के साथ शंकराचार्य से आशीर्वाद मांगा। इस पर शंकराचार्य ने उनका हालचाल पूछा और कहा कि आपके इस्तीफे की खबर सुनने से हम लोगों के मन में दो तरह की प्रतिक्रिया हो रही है। एक तो दुख हो रहा है कि कितनी लगन से आपने पढ़ाई लिखाई की होगी, तब जाकर इस पद पर आए होंगे। आज एक झटके में आपका पद चला गया है। शंकराचार्य ने कहा कि दूसरी तरफ आपने सनातन धर्म के प्रति और सनातन धर्म के प्रतीकों के प्रति अपनी निष्ठा का जिस तरह से प्रदर्शन किया है, उससे पूरा सनातनी समाज खुश है और आपका खूब–खूब अभिनंदन करता है। इसके साथ ही शंकराचार्य ने अलंकार अग्निहोत्री को एक बड़ा पद भी ऑफर किया। शंकराचार्य ने कहा कि हम चाहते हैं कि आप जैसे निष्ठावान लोग सनातन धर्म की सेवा में और आगे आएं। जो पद सरकार ने आपको दिया था, उससे बड़ा धर्म के क्षेत्र का पद आपको देने का हम प्रस्ताव करते हैं। शंकराचार्य से फोन पर ही आशीर्वाद लेने के बाद अलंकार अग्निहोत्री ने यह भी कहा कि जल्द ही आपसे मुलाकात भी करेंगे।

एनयूजे प्रयागराज ने किया ध्वजारोहण, कलेन्डर का अनावरण

प्रयागराज। नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट इंडिया के प्रयागराज जिला इकाई ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। प्रातरू 10.30 बजे एनयूजे कार्यालय सिविल लाइंस मे देश के आजादी के आन्दोलन मे शहीद हुए देशभक्तों दतथा सीमा की रक्षा करते हुए शहीद हुए जवानों को श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे समाज सेवी प्रखर श्रीवास्तव के उपस्थिति में जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने किया। मुख्य अतिथि प्रखर श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पत्रकारों की निष्पक्ष लेखनी ही तय करता है देश का भविष्य।कार्यक्रमों की श्रृंखला मे दोपहर एक बजे बजे से नगर के जार्ज टाउन स्थित द्वारिका अस्पताल सभागार मे कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज सेवी चिकित्सक तथा निदेशक द्वारिका अस्पताल डॉ सुशील कुमार सिन्हा थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव थे संचालन अश्वनी श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम की देश के आन बान शान के मरमिटने वाले स्वाधीनता आंन्दोलन के शहीदो तथा देश की सुरक्षा मे शहीद होने वालो जवानो को श्रद्धांजलि देते हुए प्रारम्भ हुआ। इसके बाद एनयूजे प्रयागराज के समस्त सदस्यो पदाधिकारियो को परिचय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा एनयूजे प्रयागराज दूारा संगठन के वार्षिक कलेन्डर 2026 का अनावरण किया गया। तत्पचात मुख्य अतिथि डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि निषपक्ष पत्रकारिता ही देश की ताकत होती है। जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि संगठन मे एकता और आपसी सौहार्द पर विशेष बल दिया जा रहा है।

मंडलायुक्तकी अध्यक्षता में आयोजित होगी सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक

मीरजापुर। सचिव सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण उदयवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि सर्वसाधारण, जनसामान्य, वाहन स्वामियों, परमिट धारकों को सूचित किया जाता है कि सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण, मिर्जापुर की 35 वीं बैठक 30 जनवरी 2026 को आयुक्त, विन्ध्याचल मण्डल मिर्जापुर के कार्यालय सभागार कक्ष में अपरान्ह 12रू30 बजे आहूत की गई है, जिसमें सम्भाग के अराष्ट्रीयकृत मार्गों पर स्थायी मंजिली गाड़ी परमिट के आवेदन पत्रों तथा अन्य प्रसंगों पर विचार किया जाना अपेक्षित है। स्थायी मंजिली गाड़ी परमिट के आवेदक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उक्त बैठक में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

सौ मीटर दौड़ में निष्ठा और साक्षी रही अव्वल

मड़िहान, मीरजापुर। मड़िहान तहसील क्षेत्र के मड़िहान पटेवर स्थित सन साइन इंग्लिश स्कूल स्थित तीन दिवसीय खेल स्पर्धा के दूसरे दिन मंगलवार को बालकों के साथ बालिकाओं ने दम दिखाया। विद्यालय के प्रबंधक अरुण सिंह ने बताया कि पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत बच्चों खेल के प्रति जागरूक और उनके जीवन में इसके महत्व को समझाने हेतु तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। कुल 40 प्रकार की खेल स्पर्धा का आयोजन किया गया है।जिसमें कुल 650 स्कूली छात्र छात्राएं प्रतिभाग कर रहे है।तीन दिनों में म्यूजिकल चेयर, साइकिल रेस, गोला थ्रो,लॉन्ग जंप,खो–खो,ऊंची कूद, लंबी कूद, तेज चलना, स्लो साइकिल रेस, बैक रेस आदि खेलों का आयोजन किया गया है।जहां खेल स्पर्धा के दूसरे दिन के खेल में 100 मीटर की दौड़ में कक्षा 04 की छात्रा निष्ठा प्रथम रही तो बड़ी कक्षा की दौड़ में कक्षा 08 की छात्रा साक्षी ने बाजी मारी। लेमन स्पून रेस में कक्षा 07 के छात्र सत्यम प्रथम व एक पैर रेस में जिसन प्रथम रहे। बुक बैलेंसिंग में नैतिक, जलेबी रेस में अदिति, रिलेथ रेस में अमन, राज, नीरज, पृथ्वीराज, बैलून ब्रस्टिंग में काब्या, बैंक रेस में प्रांजल सैक रेस में श्रेयांस ने बाजी मारकर जीत हासिल किया। सभी प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को मैडल के साथ प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जालसाज ने भूमि एग्रीमेंट के नाम पर कराली रजिस्ट्री,दर दर भटकने को मजबूर भू-स्वामी

मड़िहान, मीरजापुर। मड़िहान तहसील क्षेत्र के गोपलपुर गांव निवासी सीमांत किसानों की गढ़वा में स्थित तीन बीघा भूमि पर कर्ज देने के नाम पर एग्रीमेंट कराने तहसील पहुंचकर जालसाजों ने संपूर्ण भूमि की रजिस्ट्री कराई। न्याय की आस में पीड़ित थाना, तहसील, पुलिस अधीक्षक की चौखट पर मत्था टेकने को मजबूर। गोपलपुर गांव निवासी पीड़ित रामवती देवी और उसके पति पुनवासी ने बताया कि भाई विजई और रामबली की ग्रामपंचायत गढ़वा के पिपरांव में एक एक बीघा का कृषि भूमि का पट्टा मिला था। जो एक मात्र जीने का सहारा था।एक भाई रामबली खेत पर ही घर बनाकर रहते है।दो जन खेती करने हो जाते थे। सन 2021 जून माह में पुत्री सरिता का विवाह और भाई रामबली के पुत्र की मई माह में विवाह तय हुआ था। पैसे के अभाव में गढ़वा गांव के एक पिछड़ी जाति के व्यक्ति से कर्ज के रूप में पैसे की मांग किए।जिसने तीन वर्ष के लिए भूमि एग्रीमेंट करने पर डेढ़ लाख रुपए देने की शर्त रखी। विगत 10 मई 2021 को तीनों अनपढ़ पीड़ितो को रजिस्ट्रार ऑफिस मड़िहान लेकर पहुंचा। जहां एग्रीमेंट के नाम पर जालसाजी के तहत तीनों भाइयों की भूमि एक अनुसूचित महिला के नाम रजिस्ट्री करवा लिया। तीन वर्ष गुजरने के बाद फॉर्मर रजिस्ट्री हेतु खतौनी निकालने पर जमीन दूसरे के नाम दर्ज थी।पता करने पर जानकारी मिली कि पहले अनुसूचित के नाम पर रजिस्ट्री कराई,उसके कुछ दिन बाद पिछड़ी जाति को परमिशन लेकर रजिस्ट्री कराया गया है। मामले की जानकारी होते ही पीड़ित परिवार के हाथ पांव फूलने लगे। जालसाज और उसके साथियों के खिलाफ मड़िहान थाना, तहसील, पुलिस अधीक्षक, तहसील दिवस, थाना दिवस,मुख्यमत्री शिकायत हेल्पलाइन तक न्याय की गुहार लगा रहे है। उपजिलाधिकारी मड़िहान अनेग सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है,रजिस्ट्री कैंसिल करने का अधिकार नहीं है। पीड़ितो को न्यायालय में वाद दाखिल करना होगा।

देश सेवा में शहीद हुए अमर प्रताप सिंह को श्रद्धांजलि देने उमरा जन सैलाब

आजमगढ़ अतरौलिया क्षेत्र के खदेरू पट्टी गांव निवासी अमर प्रताप सिंह आईटीबीपी की गलवान घाटी में ड्यूटी के दौरान हृदय गति रुकने से मौत हो गई थी, जिनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचते ही क्षेत्र के लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा और पूरे राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई ।इसी क्रम में आज बृहस्पतिवार को उनके आवास पर तेरहवीं कार्यक्रम में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे क्षेत्र से लोगों ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूर्व जिला अध्यक्ष जयनाथ सिंह ने कहा किष आज हम खदेरू पट्टी की इस ग्राम सभा में आए हैं और ऐसे माँ भारती के सपूत को आज हम सब श्रद्धांजलि दे रहे हैं। हमारे क्षेत्र का होनहार बालक, जिसका नाम अमर प्रताप और आईटीबीपी में इंस्पेक्टर रैंक पर पोस्ट थे।गलवान घाटी में 15 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन वीर सपूत ने शहादत दी। हम सब क्षेत्रवासी बहुत ही मर्माहत हैं और आईटीबीपी में इंस्पेक्टर रैंक होते हुए भी उनका व्यवहार, उनका संस्कार और जो भी कहा जाए कम है। क्षेत्र में हर समाज के लोग, हर वर्ग के लोग, बहुत ही सबके दुलारे थे।ष्मैं परिवार को, ये दो बेटे हैं उनके, पिताजी हैं, सारा परिवार को मैं इस दुख की घड़ी में ईश्वर सहनशक्ति दे। ष्जो भी बन पड़ेगा इस परिवार के लिए और इस माँ भारती के लाल वीर सपूत को, माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी से मिलकर के जितना भी सहयोग हो पाएगा मैं करूँगा।बाबा प्रथम देव के महंत ने कहा कीष्सच तो यह है कि यह घटना इस क्षेत्र की सबसे बड़ी दुखद घटना है। इससे पूरा क्षेत्र पीड़ित है। परिवार की क्या दशा होगी, यह तो भगवान ही जानें। सबसे पहले तो हम उस परिवार के लिए प्रभु से बार–बार वंदना करेंगे कि उन्हें इस अपार दुःख और संवेदना को सहने के लिए असीम साहस प्रदान करें।

कहीं न कहीं यह हमारे लिए एक बहुत बड़ा प्रमाद (अभिमान) भी है कि हमारे क्षेत्र का यह बालक देश की आन–बान और शान को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। हमारे गुरुकुल के बच्चे भी इसी संवेदना का एक अंग बनकर यहाँ आए थे। हम उस पुण्य आत्मा के लिए प्रभु से परम शांति की प्रार्थना करते हैं और उनके माता–पिता व परिवार को इस दुःख की पीड़ा सहने की शक्ति देने की कामना करते हैं।ष श्रद्धांजलि देने वाले में डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद सिंह ,अखंड प्रताप सिंह ,राणा प्रताप सिंह ,सोनू सिंह प्रधान, राजेंद्र सिंह, बालमुकुंद सिंह ,जंग बहादुर सिंह, वीरेंद्र तिवारी प्रधान, प्रमुख प्रतिनिधि संतोष यादव, अंकित [illegible]

प्रदेश के गन्ना किसानों को प्राप्त सरकारी सुविधाओं से हो रही है आय में वृद्धि

आजमगढ़ गन्ना और चीनी उत्पादन भारत की अर्थव्यवस्था, व्यापार और आजीविका के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। भारत विश्व में चीनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। चीनी उद्योग देश के सबसे महत्वपूर्ण कृषि आधारित उद्योगों में से एक है। यह गन्ना किसानों के परिवारों सहित गन्ना क्षेत्र के कृषि मजदूरों, कुशल कारीगरों, ढुलाई के वाहनों आदि के आजीविका के साधन हैं। गन्ना एक नकदी फसल होने के नाते प्रदेश के गन्ना किसानों के लिए काफी फायदेमंद रहा है।प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों के लिए कई योजनाएं संचालित करते हुए उन्हें लाभान्वित किया है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य है। वस्तुतः चीनी मिलें व गन्ना खेती प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास की प्रमुख धुरी है। विगत पेराई सत्र 2024–25 में प्रदेश में 29.51 लाख हेक्टेयर में गन्ना खेती की गयी, जो चीनी मिलों के लगभग 47 लाख गन्ना आपूर्तिकर्ता किसानों के परिवार की आजीविका का साधन है। गत सत्र 2024–25 में प्रदेश में संचालित कुल 122 चीनी मिलों में उ.प्र. राज्य चीनी निगम की 03, उ.प्र. सहकारी चीनी मिल्स संघ की 23 और निजी क्षेत्र की 96 चीनी मिलों द्वारा 956.09 लाख टन गन्ने की पेराई कर 92.45 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया। वर्तमान सत्र 2025–26 में 119 संचालित मिलों द्वारा अबतक कुल 403.45 लाख टन गन्ने की पेराई करते हुए 39.22 लाख टन चीनीका उत्पादन किया जा चुका है।प्रदेश की चीनी मिलों की पेराई क्षमता 8.48 लाख टन प्रतिदिन है। प्रदेश की चीनी मिलों के औद्योगिक पुनरुद्धार के क्रम में पिपराइच, मुण्डेरवां, रमाला में नई चीनी मिलें स्थापित की गयी तथा 44 से अधिक चीनी मिलों का आधुनिकीकरण किया गया है। जिससे अब तक कुल 1,24,500 टी. सी.डी. अतिरिक्त पेराई क्षमता का सृजन हुआ है। मिलों के आधुनिकीकरण और औद्योगिक पुनरुद्धार से 10 लाख से अधिक रोजगार का सृजन हुआ है। विगत 09 वर्षों में लगभग रु0 6,924 करोड़ का अतिरिक्त पूंजी निवेश किया गया है। वर्तमान सरकार के गठन से आज तक (वर्ष 2017 से 2025 तक) प्रदेश के गन्ना किसानों को गन्ना मूल्य रु0 3,01,942 करोड़ का भुगतान कराया गया है। गन्ना मूल्य भुगतान के कारण ग्रामीण बाजारों में प्रत्येक पेराई सत्र में 35000 करोड़ रुपये से अधिक का सर्कुलेशन होता है।प्रदेश में ससमय गन्ना मूल्य का भुगतान हो रहा है। वर्तमान सरकार द्वारा वर्ष 2017 से अब तक गन्ना किसानों को रू0 3,01,942 करोड़ से अधिक का रिकार्ड गन्ना मूल्य का भुगतान कराया गया है। यह भुगतान इसके पूर्व के 22 वर्षों (1995 से 2017 तक) के सम्मिलित गन्ना मूल्य भुगतान रू0 2,13,519 करोड़ से भी रू0 88,423 करोड़ अधिक है। गन्ना मूल्य भुगतान समय से कराने हेतु वर्ष 2017 से एस्क्रो एकाउन्ट की व्यवस्था लागू की गयी, जिससे चीनी मिलों में गन्ना मूल्य मद की धनराशि के व्यावर्तन पर पूर्ण अंकुश लगा है। वर्तमान व आगामी वित्तीय वर्ष में सहकारी तथा निगम क्षेत्र की चीनी मिलों के गन्ना मूल्य भुगतान हेतु रु 475 करोड़ का बजट रखा गया है।वर्तमान सरकार के कार्यकाल में गन्ना मूल्य दरों में वृद्धि की गई है। किसान हित में प्रदेश सरकार द्वारा पेराई सत्र 2017–18 में गन्ना मूल्य की दरों में रु0 10 प्रति कुन्तल की वृद्धि की है। पेराई सत्र 2021–22 में गन्ना मूल्य की दरों में रु0 25 प्रति कुन्तल की वृद्धि, पेराई सत्र 2023–24 में गन्ना मूल्य की दरों में रु0 20 प्रति कुन्तल की वृद्धि तथा पेराई सत्र 2025–26 हेतु गन्ना मूल्य की दरों में 30 रुपये प्रति कुन्तल की वृद्धि की गयी है, जिसकी दरें अगेती प्रजातियों के लिए रु0 400 प्रति कुन्तल, सामान्य प्रजातियों के लिए रु0 390 प्रति कुन्तल की दर से किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान मिल रहा है। इस बढ़ोत्तरी से गन्ना किसानों को लगभग रु0 3000 करोड़ का अतिरिक्त गन्ना मूल्य भुगतान प्राप्त होगा।प्रदेश में गन्ना उत्पादकता में वृद्धि हुई है। प्रदेश में वर्ष 2016–17 में औसत गन्ना उत्पादकता 72.38 मी. टन प्रति हेक्टेयर था जो वर्ष 2024–25 में बढ़कर 83.25 मी.टन प्रति हेक्टेयर की वृद्धि हो गयी है। इस वृद्धि के फलस्वरुप किसानों की आय में औसतन रू0 400 प्रति कुन्तल की दर से रू0 43,480 प्रति हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। प्रदेश में विगत 09 वर्षों में 46.80 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ने के साथ सह–फसली खेती से कृषकों को 25 प्रतिशत की अतिरिक्त आय हुई तथा गन्ना व चीनी उत्पादन में वृद्धि के कारण हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है।

शंकराचार्य के पक्ष में अनूठा प्रदर्शन, संतों ने रमाई धूनी

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में प्रशासन का विरोध कर रहे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के पक्ष में अब अनूठा प्रदर्शन शुरू कर दिया गया है। कंप्यूटर बाबा ने शंकराचार्य के शिविर के बाहर धूनी रमाई है। संतों ने कहा कि प्रशासन को शंकराचार्य से काफी मांगनी चाहिए। इस दौरान बड़ी संख्या में साधु संत शिविर के बाहर सुबह ही पहुंच गए हैं। शंकराचार्य मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम स्नान के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पहिया लगी पालकी में बैठकर जाने से प्रशासन ने रोक दिया था। प्रशासन के रोकने के बाद से शंकराचार्य नाराज है। शंकराचार्य अपने शिविर के भीतर नहीं गए और बाहर ही रह रहे हैं। इसी क्रम में बड़ी संख्या में संतों ने शंकराचार्य के पक्ष में विरोध शुरू कर दिया है।

मिलेनियम स्कूल में मनाया गया गणतंत्र दिवस

प्रयागराज। गणतंत्र दिवस एक राष्ट्रीय त्योहार से कहीं अधिक हैकृयह भारत की स्वतंत्रता, लोकतंत्र और हमारे राष्ट्र को अद्वितीय बनाने वाली विविध संस्कृतियों का एक उमंग भरा उत्सव है। मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल में गणतंत्र दिवस समारोह ऊर्जा, परंपरा और इतिहासिक मूल्यों की झलकियों के साथ प्रारंभ हुआ।विद्यालय परिसर जीवंत प्रस्तुतियों, प्रेरक भाषणों और भारत की विरासत एवं एकता के उत्सव को प्रवाहित करता है। मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिससे विद्यार्थियों में आजीवन गौरव और देशभक्ति की भावना को पोषित करने वाली यादें बन गई।उत्सव की शुरुआत सुबह जल्दी ही हो गई, जब छात्र विद्यालय परिसर में एकत्रित हुए। जनवरी की ठंडी हवा ने उत्साहपूर्ण माहौल बनाया। जब डायरेक्टर सर, प्रधानाचार्या और शिक्षकों राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। आकाश में तिरंगे को लहराते हुए देखकर हर किसी का दिल गर्व और श्रद्धा से भर जाता है।इसके बाद राष्ट्रगान ष्जन गण मनष गाया जाता है, जिसमें छात्र और शिक्षक एकजुट होकर हमारे लोकतंत्र की भावना को दर्शाते हैं। यह एक गंभीर और शक्तिशाली क्षण होता है, जो विविधतापूर्ण और समृद्ध राष्ट्र के नागरिकों के रूप में सभी को उनकी साझा जिम्मेदारियों की याद दिलाता है।विद्यालय के सभा स्थल में भारत की समृद्ध विरासत को उजागर करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उत्सव प्रारंभ किया गया। इस वर्ष के मुख्य आकर्षणों में देशभक्ति गीतों के मिश्रण पर आधारित एक मनमोहक नृत्य प्रस्तुति शामिल थी, जिसने हमारे देश की ऊर्जा और एकता की भावना को समाहित कर दिया। ये प्रस्तुतियाँ न केवल मनोरंजक हैं, बल्कि भारत की जीवंत सांस्कृतिक विविधता की याद दिलाती हैं।

संविधान लागू होने के 76 साल बाद भी दलित की वही दुर्दशा

प्रयागराज। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के तत्वाधान में विगत पहली जनवरी से यमुनापार की तहसील बारा और करछना में संविधान के सम्मान में निकाली गई गणतंत्र पदयात्रा का समापन सोमवार को गणतंत्र दिवस की 76 वर्षगांठ पर शंकरगढ़ बाजार में शांतिपूर्वक सादगीपूर्ण ढंग से गणतंत्र पदयात्रा निकाली गई। यह गणतंत्र पदयात्रा शंकरगढ़ ब्लाक परिसर में गणतंत्र महोत्सव आयोजित कर समापन किया गया।गणतंत्र पदयात्रा और गणतंत्र महोत्सव के संयोजक आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सदस्य उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने बताया कि संविधान लागू होने के 75 साल बीत जाने के बाद भी संविधान के उद्देश्यों समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व की भावना और सबको सामान न्याय मिलना आज भी टेढ़ी खीर हो गई है। भारत का भुक्तभोगी तपका अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति जिस दशा में था उसी दुर्दशा में ज्यों का त्यों बनाघ हुआ है जो आज भी बेहद गरीब व सर्वहारा वर्ग की श्रेणी में समाज के सबसे निचले पायदान पर पड़ा हुआ है जिन्हें आज भी उत्पादन के साधन मुहैया नहीं कराए गए। एक ओर आज जहा समाज ने उन्हें अस्वीकार कर दिया है तो सरकार ने भी उनकी जिम्मेदारी लेने से कासिर हो गई है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति सर्वहारा वर्ग होकर अथवा भूमिहीन खेतिहर मजदूर होकर आज भी गांव के काश्तकारों के यहां नाममात्र की मजदूरी पर श्रम बेचने को मजबूर हो गए हैं तथा अपनी जीविका के लिए सवर्ण काश्तकारों के ऊपर निर्भर हैं। जिसका मुख्य कारण संविधान के आर्थिक ढांचे को राजनैतिक ढांचे की तरह न बदलने के कारण पैदा हुई है जबकि संविधान लागू होने के तुरन्त बाद ही आर्थिक ढांचा तोड़कर एक व्यक्ति एक मूल्य की स्थापना करना चाहिएघ था किन्तु अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अर्थात सर्वहारा वर्ग के हक में बुनियादी तौर पर कदम उठाने में शासक वर्ग उदासीन दिखा है जो वर्गीय पक्षपात का द्योतक है।

आसपा सदस्य आईपी रामबृज ने आगे बताया कि भारत प्रधानतः खेतिहर देश है और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की विशाल संख्या खेतों में काम करने को मजबूर है। ऐसे वक्त में देश का इंतजाम करने वालों का परम कर्तव्य बन जाता है कि खेती के हुनर में हाड़ तोड़ काम करके उत्पादन करने वाले भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में भूमि बांटकर उत्पादन का साधन मुहैया कराना चाहिएघ तथा कृषि और उद्योगों का प्राइवेट संपत्ति के रहते हुए राष्ट्रीयकरण करना चाहिएघ था। गणतंत्र पदयात्रा में तहसील बारा और करछना से हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

माघ मेला में श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज ने किया ध्वजारोहण

अग्रवाल युवा महिला मंडल का हुआ गठन

प्रयागराज। माघ मेला 2026 क्षेत्र में श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज द्वारा 26 जनवरी को सेक्टरद्7, संकट मोचन उत्तरी मार्ग, अरैल, प्रयागराज में भव्य ध्वजारोहण समारोह का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

ध्वजारोहण के उपरांत समाज की नई शाखा "अग्रवाल युवा महिला मंडल" का विधिवत गठन किया गया। नवगठित मंडल में संरक्षक के रूप में पारुल अग्रवाल एवं रीनू मित्तल, अध्यक्ष सारिका अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. विनीता अग्रवाल, उपाध्यक्ष आकांक्षा अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल एवं प्रियंका अग्रवाल, महासचिव डॉ. कीर्ति अग्रवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष नूपुर अग्रवाल, संयुक्त सचिव श्रुति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दीप्ति गुप्ता तथा सचिव येशा गोयल सहित कुल 12 पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे गए। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष पीयूष रंजन अग्रवाल ने कहा कि श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज सदैव राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता और संगठनात्मक एकता का प्रतीक रहा है। युवा महिला मंडल का गठन समाज को नई ऊर्जा देगा तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त कदम सिद्ध होगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. बी.बी. अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि "समाज की प्रगति में महिलाओं और युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे संगठित प्रयास समाज को सेवा, संस्कार और सहयोग की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। कार्यक्रम में अग्रवाल युवा मंडल के अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, महामंत्री वैभव गोयल, कोषाध्यक्ष अंशु अग्रवाल, उपाध्यक्ष तुषार गुप्ता एवं सौरभ अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही समाज के सक्रिय युवा सदस्य राहुल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल एवं अंकित अग्रवाल की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया।

टी 20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड टीम में संकट, पाकिस्ता मूल के आदिल राशिद और रेहमान अहमद का बीजा फंसा!

पाकिस्तानी मूल के होने के कारण इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद और रेहान अहमद को भारतीय वीजा मिलने में देरी हो रही है, जिससे उनके टी20 विश्व कप से पहले श्रीलंका दौरे पर जाने की संभावना कम हो गई है और टीम की तैयारियों पर असर पड़ा है। आगामी टी20 विश्व कप के लिए इंग्लैंड की तैयारियों में बाधा आ गई है क्योंकि भारतीय सरकार पाकिस्तानी मूल के आदिल राशिद और रेहान अहमद को वीजा जारी करने में देरी कर रही है। वीजा में देरी के कारण दोनों खिलाड़ियों के इस सप्ताहांत बाकी टीम के साथ श्रीलंका जाने की संभावना कम है। टी20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड को 22 जनवरी से 3 फरवरी तक श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। गौरतलब है कि रेहान और राशिद दोनों वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों का हिस्सा हैं और फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वे वनडे सीरीज के लिए समय पर श्रीलंका पहुंच पाएंगे या नहीं। द गार्जियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, वीजा में देरी इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को पहले भी भारत से वीजा देरी से मिले हैं। कुछ साल पहले, शोएब बशीर को भारत के खिलाफ सीरीज का पहला टेस्ट मैच छोड़ना पड़ा था क्योंकि उन्हें वीजा आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के लिए लंदन वापस जाना पड़ा था, जबकि साकिब महमूद को भी अतीत में समस्याओं का सामना करना पड़ा था।हालांकि, रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ईसीबी को भारतीय सरकार से आश्वासन मिला है कि उसे दोनों खिलाड़ियों के आवेदनों पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन आवेदन मिलने का समय अनिश्चित है। प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए ईसीबी ने ब्रिटेन सरकार से भी मदद ली है। राशिद फिलहाल दक्षिण अफ्रीका में एसए20 में खेल रहे हैं, जबकि रेहान अहमद बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं। इंग्लैंड को उम्मीद है कि वीजा मिलने के समय के आधार पर ये दोनों खिलाड़ी सीधे श्रीलंका या भारत के लिए उड़ान भर सकेंगे। ईसीबी को भरोसा है कि टी20 विश्व कप से पहले दोनों खिलाड़ियों को वीजा मिल जाएगा।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह को भरोसा, आंडर-19 विश्व कप से एक बार फिर चमकेंगे भविष्य के क्रिकेट सितारे

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने आगामी अंडर–19 पुरुष विश्व कप को भविष्य के सितारों का मंच बताते हुए टीमों को शुभकामनाएं दी हैं। 2024 फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद, आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली मजबूत भारतीय टीम रिकॉर्ड छठे खिताब के लिए जिम्बाब्वे और नामीबिया में अपना अभियान शुरू करेगी।अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने आईसीसी अंडर–19 पुरुष विश्व कप के गुरुवार से प्रारंभ होने पर अंडर–19 खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। 2026 संस्करण 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। एक पोस्ट में जय शाह ने लिखा कि 15 जनवरी से मेजबान देशों जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू हो रहे आईसीसी अंडर–19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में सभी टीमों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं। हमारे युवा टूर्नामेंट लंबे समय से क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े सितारों के लिए मार्ग रहे हैं, और मुझे विश्वास है कि ऐसा ही एक बार फिर होगा।आयुष म्हात्रे की कप्तानी मेंभारतीय अंडर–19 टीम गुरुवार को बुलावायो में अमेरिका के खिलाफ रिकॉर्ड छठी आईसीसी अंडर–19 विश्व कप खिताब के लिए अपना अभियान शुरू करेगी। अंडर–19 विश्व कप से पहले, भारतीय टीम ने 16 युवा वनडे मैच जीते हैं और केवल पांच हारे हैं, जिसमें जीत का प्रतिशत 76 से अधिक है। टूर्नामेंट में प्रवेश करते हुए, उनका जीत–हार का अनुपात 3.2 के साथ सर्वश्रेष्ठ है। भारत की बल्लेबाजी की अगुवाई वैभव सूर्यवंशी कर रहे हैं, जिन्होंने युवा वनडे में 54.05 के औसत से 973 रन बनाए हैं, जिनमें तीन शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 171 है। उनका स्ट्राइक रेट 164 से अधिक है और वे टूर्नामेंट में सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक हैं।टूर्नामेंट से पहले, भारत अंडर–19 ने छह में से पांच सीरीज जीती हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर 3–0 से क्लीन स्वीप, यूके में इंग्लैंड के खिलाफ कड़ा मुकाबला 3–2 से जीत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3–0 से सीरीज जीत शामिल हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में भी 3–0 से सीरीज जीती थी। हालांकि, एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) अंडर–19 एशिया कप भारत के लिए सबसे मजबूत टूर्नामेंट नहीं रहे हैं, क्योंकि पिछले साल एकतरफा फाइनल में उन्हें पाकिस्तान से 191 रनों से और 2024 में बांग्लादेश अंडर–19 से 59 रनों से हार का सामना करना पड़ा था।टीम इंडिया, जिसे 2024 अंडर–19 विश्व कप के फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया से 79 रनों से हार का सामना करना पड़ा था, जिसमें महली बियर्डमैन (3ध15) की शानदार गेंदबाजी ने भारत को 254 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 174 रनों पर ऑल आउट कर दिया था, बदला लेने के इरादे से उतरेगी, वहीं ओलिवर पीक की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम पांचवीं बार खिताब जीतकर भारत की बराबरी करने का लक्ष्य रखेगी।

हरमनप्रीत कौर की दमदार पारी से मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को हराया

कप्तान हरमनप्रीत कौर के दमदार प्रदर्शन के दम पर मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ एक और महत्वपूर्ण जीत हासिल की है। इस जीत के साथ मुंबई ने ॅच्स् में अपना दबदबा कायम रखा है, जहाँ उन्होंने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात को सात विकेट से मात दी।महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस ने एक बार फिर दबाव में बेहतरीन खेल दिखाते हुए गुजरात जायंट्स को सात विकेट से मात दी हैं। बता दें कि इस मैच में लक्ष्य 193 रन का था, जिसे मुंबई ने तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया है।गुजरात जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मजबूत शुरुआत की है। शुरुआती ओवरों में रन गति तेज रही और मध्यक्रम ने भी जिम्मेदारी निभाई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, बीच के ओवरों में कुछ विकेट गिरने के बावजूद अंतिम ओवरों में तेज रन बटोर कर टीम 192 के स्कोर तक पहुंचने में सफल रही है। आखिरी दो ओवरों में आई तेजी ने मैच को रोमांचक मोड़ पर ला दिया था।जवाब में मुंबई इंडियंस की पारी की कमान कप्तान मुंबई इंडियंस की ओर से संभाली गई है। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी को संभालते हुए सूझबूझ के साथ बल्लेबाजी की है। उनके साथ मध्यक्रम से अहम सहयोग मिला, जिससे रन रेट काबू में रहा है। गौरतलब है कि हरमनप्रीत का यह अर्धशतक भी टीम के लिए शुभ साबित हुआ है। मैच के अंतिम चरण में मुंबई ने बिना घबराए लक्ष्य का पीछा किया है। फील्डिंग में गुजरात से हुई कुछ चूकों का भी उन्हें फायदा मिला है। अंततः हरमनप्रीत ने निर्णायक बाउंड्री लगाकर मुकाबला खत्म किया है और टीम को लगातार जीत दिलाई है। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ अपना दबदबा कायम रखा है और टूर्नामेंट में अपनी स्थिति और मजबूत की है।

तेज गेंदबाज अली खान वीजा विवाद, जाने क्या है पूरा मामला

पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी खिलाड़ियों के वीजा आवेदन खारिज नहीं किए गए हैं, बल्कि वे अतिरिक्त जांच प्रक्रिया के तहत लंबित हैं, जो एक सामान्य प्रोटोकॉल है। यह प्रक्रिया पहले भी मोईन अली और शोएब बशीर जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों पर लागू हो चुकी है, और फिलहाल आवेदन समीक्षाधीन हैं।अमेरिकी तेज गेंदबाज अली खान की एक इंस्टाग्राम स्टोरी के बाद यह चर्चा तेज हो गई थी कि भारत ने पाकिस्तान मूल के अमेरिकी क्रिकेटरों को वीजा देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, मौजूद जानकारी के अनुसार, ऐसा कोई औपचारिक वीजा रद्द नहीं किया गया है और पूरा मामला अभी जांच और समीक्षा की प्रक्रिया में है।गौरतलब है कि अली खान के साथ–साथ शायन जहांगीर, मोहम्मद मोहसिन और एहसान आदिल, ये चारों खिलाड़ी पाकिस्तान मूल के हैं और इस समय श्रीलंका में अमेरिकी टीम के साथ अभ्यास शिविर में मौजूद हैं। सभी खिलाड़ियों ने 13 जनवरी को कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग में तय प्रक्रिया के तहत वीजा आवेदन से जुड़ी अपॉइंटमेंट पूरी की है। सूत्रों के मुताबिक, खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी द्वारा बताए गए सभी दस्तावेज समय पर जमा किए हैं।मौजूद जानकारी के अनुसार, अपॉइंटमेंट के दौरान खिलाड़ियों को यह बताया गया कि इस चरण में वीजा प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकती है। बाद में अमेरिकी टीम प्रबंधन को भारतीय दूतावास की ओर से यह सूचना भी दी गई कि कुछ जरूरी जानकारियां प्राप्त हो चुकी हैं, जबकि कुछ इनपुट विदेश मंत्रालय से अभी लंबित हैं। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई के लिए खिलाड़ियों से संपर्क किया जाएगा।अधिकारियों ने साफ किया है कि इसे वीजा खारिज किया जाना नहीं माना जाना चाहिए। दरअसल, पाकिस्तान मूल के खिलाड़ियों के मामलों में, चाहे उनकी राष्ट्रीयता या टीम कोई भी हो, अतिरिक्त जांच की प्रक्रिया सामान्य मानी जाती है। इससे पहले भी भारत दौरे के दौरान मोईन अली, शोएब बशीर और उस्मान ख्वाजा जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को इसी तरह की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है।यह मामला तब और चर्चा में आ गया जब अली खान ने सोशल मीडिया पर "इंडिया वीजा डिनायड" जैसा संदेश पोस्ट किया, जिससे अटकलें तेज हो गईं। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम से जुड़े लोगों का कहना है कि आवेदन अब भी सक्रिय हैं और अंतिम मंजूरी के लिए कई विभागों से अनुमति ली जाती है।गौरतलब है कि यही नियम अन्य टीमों पर भी लागू होते हैं। यूएई, कनाडा, ओमान और इटली जैसी टीमों में भी पाकिस्तान मूल के खिलाड़ी शामिल हैं और उन्हें भी इसी तरह की प्रक्रिया से गुजरना होगा।अली खान ने अब तक अमेरिका के लिए 15 वनडे और 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और वह 2024 के टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक जीत का हिस्सा भी रहे हैं। हालांकि, 2026 के लिए अमेरिकी टीम की अंतिम घोषणा अभी बाकी है, लेकिन वह चयन की दौड़ में बने हुए हैं।बता दें कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का आयोजन 7 फरवरी से 8 मई तक भारत और श्रीलंका में किया जाना है। अमेरिका को ग्रुप–ए में भारत, पाकिस्तान, नामीबिया और नीदरलैंड्स के साथ रखा गया है।

संकटमोचक केएल राहुल का न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में केएल राहुल ने संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए अपना आठवां वनडे शतक जड़ा, जिससे उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन के 7 शतकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। राहुल की 112 रनों की नाबाद पारी की बदौलत भारत ने मुश्किल परिस्थितियों से उबरकर 284 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया।राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खचाखच भरे स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली के शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी। हालांकि, केएल राहुल ने बल्ले से सारी सुर्खियां बटोर लीं। विकेटकीपर–बल्लेबाज राहुल ने मेजबान टीम के लिए तब मोर्चा संभाला जब दोनों दिग्गज बल्लेबाज अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाए। दरअसल, राहुल ने वनडे में अपना आठवां शतक तब बनाया जब शुभमन गिल के अलावा लगभग कोई भी भारतीय बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका।इस शतक के साथ ही राहुल ने पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के 50 ओवर के फॉर्मेट में शतकों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। अजहरुद्दीन अपने 334 वनडे मैचों के करियर में सिर्फ सात शतक ही बना पाए थे। वहीं राहुल ने अपने करियर के सिर्फ 93वें वनडे में ही यह कारनामा कर दिखाया और टीम के मुश्किल समय में टीम को संभाला। वह इस मैदान पर वनडे में शतक बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने शिखर धवन का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो इससे पहले 90 रन पर आउट हुए थे।राहुल की शानदार पारी की बदौलत भारत ने 50 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 284 रन बनाए। राहुल ने मात्र 92 गेंदों पर 112 रन बनाकर नाबाद पारी खेली। पारी के 22वें ओवर में बल्लेबाजी करने आए राहुल ने क्रीज पर रहते हुए 11 चौके और एक छक्का लगाया। बीच के ओवरों में पिच के थोड़ा टर्न लेने से केएल राहुल के लिए क्रीज पर शुरुआत आसान नहीं रही। विराट कोहली भी बल्लेबाजी करने आए और जल्द ही 23 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, राहुल ने हार नहीं मानी और अपनी पारी को शानदार ढंग से आगे बढ़ाया। उन्होंने रवींद्र जडेजा के साथ पांचवें विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी करके पारी को संभाला और फिर डेथ ओवरों में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला।टीम इंडिया के संकटमोचक केएल राहुल ने यह सुनिश्चित किया कि भारत एक सम्मानजनक स्कोर खड़ा कर सके, जो एक समय न्यूजीलैंड की गेंदबाजी को देखते हुए बेहद मुश्किल लग रहा था। सीरीज जीतने के लिए अब भारत को 285 रनों के लक्ष्य का बचाव करने के लिए अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। इस मैदान पर पहली पारी का औसत स्कोर 322 है, इसलिए फिलहाल न्यूजीलैंड की टीम बेहतर स्थिति में होगी, लेकिन उन्हें भी लक्ष्य का पीछा करते हुए केएल राहुल जैसी पारी खेलने वाले किसी खिलाड़ी की जरूरत होगी।

आरबीआई ने बैंकों की विदेशी मुद्रा स्थिति में बदलाव का प्रस्ताव दिया

संशोधनों में ऑफशोर ऑनशोर के लिए अलग–अलग एनओपी गणना को खत्म करना और विदेशी परिचालनों से मिले संचित अधिशेष को एनओपी में शामिल करना शामिल है।भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को बैंकों की विदेशी मुद्रा स्थिति को नियंत्रित करने वाले नियमों में बदलाव का प्रस्ताव दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मौजूदा निर्देशों की व्यापक समीक्षा के बाद नेट ओपन पोजिशन (एनओपी) के नियमों में संशोधन किए गए हैं।एनओपी का मतलब बैंकों की कुल विदेशी मुद्रा संपत्ति और देनदारियों के बीच के अंतर से है, जो मुद्रा के उतार–चढ़ाव या विनिमय दर जोखिम के प्रति उनके जोखिम स्तर को दर्शाता है। आरबीआई ने कहा कि प्रस्तावित दिशानिर्देश बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति (बीसीबीएस) के मानकों के अधिक अनुरूप हैं। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि वह सभी विनियमित संस्थाओं में इनका समान रूप से कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगा। संशोधनों में ऑफशोरध्ऑनशोर के लिए अलग–अलग एनओपी गणना को खत्म करना और विदेशी परिचालनों से मिले संचित अधिशेष को एनओपी में शामिल करना शामिल है। इसमें वास्तविक एनओपी पर विदेशी मुद्रा जोखिम पूंजी शुल्क बनाए रखने और एनओपी की गणना के लिए शॉर्टहैंड पद्धति में बदलाव का प्रस्ताव भी दिया गया है।

किन्नू खाने से मिल सकते हैं ये 5 स्वास्थ्य लाभ, डाइट में करें शामिल

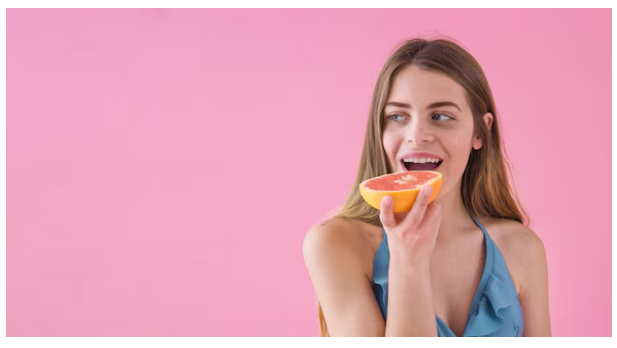

किन्नू एक खट्टा–मीठा फल है, जो अपनी अनोखी खासियत के लिए जाना जाता है। आमतौर पर लोग इसे साधारण संतरा समझ लेते हैं, लेकिन यह एक अलग पोषक तत्वों से भरपूर फल है। किन्नू में विटामिन–सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद हैं। इस लेख में हम आपको किन्नू से मिलने वाले कुछ अनोखे स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताएंगे, जो शायद आप नहीं जानते होंगे।वजन घटाने में है मददगारकिन्नू में मौजूद फाइबर इसे वजन घटाने के लिए एक बेहतरीन फल बनाता है। फाइबर न केवल पेट को भरता है, बल्कि लंबे समय तक भूख भी कम करता है। इससे आप कम कैलोरी लेते हैं और वजन नियंत्रित रहता है। इसके अलावा किन्नू में कम कैलोरी होती है, जिससे यह डाइटिंग करने वालों के लिए एक अच्छा विकल्प बन जाता है। नियमित रूप से किन्नू खाने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।पाचन तंत्र को सुधारने में है सहायकपाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में भी किन्नू अहम भूमिका निभा सकता है। इसमें मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट पाचन क्रिया को सुधारते हैं और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाते हैं। इसके अलावा किन्नू खाने से आंत की सफाई होती है, जिससे पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है। नियमित रूप से किन्नू खाने से पेट की गैस, सूजन और अपच जैसी समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है, जिससे पेट स्वस्थ रहता है।रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में है मददगाररोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी किन्नू का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसमें विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर की रक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। विटामिन–सी शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ाता है, जो संक्रमण से लड़ने में मदद करती हैं। इसके अलावा एंटीऑक्सीडेंट मुक्त कणों से लड़ते हैं, जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और विभिन्न बीमारियों का कारण बनते हैं।दिल के लिए है फायदेमंददिल की बीमारी आजकल बहुत आम हो गई है, लेकिन किन्नू का सेवन इस समस्या से बचाव कर सकता है। इसमें पाया जाने वाला पोटेशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है और कोलेस्ट्रॉल कम करता है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो दिल को स्वस्थ रखते हैं और धमनियों में रूकावट नहीं होने देते हैं। नियमित रूप से किन्नू खाने से दिल की बीमारी का खतरा कम होता है।हड्डियों को दे सकता है मजबूत हड्डियों को मजबूत बनाने में भी किन्नू अहम भूमिका निभा सकता है।

पाइलेट्स एक्सरसाइज को शुरू करने वाले हैं? इन 5 बातों का रखें ध्यान

पाइलेट्स एक ऐसी व्यायाम प्रणाली है, जो शरीर की मांसपेशियों को मजबूती और लचीलापन प्रदान करने में मदद करती है। यह योग और नृत्य का मिश्रण है, जो शारीरिक संतुलन और समग्र फिटनेस को बढ़ावा देता है। अगर आप पाइलेट्स को शुरू करने वाले हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आप सही तरीके से इसे अपना सकें और इसके सभी लाभ पा सकें। आइए इन बातों के बारे में जानते हैं।सही गियर चुनेंपाइलेट्स करते समय सही गियर का चयन करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आरामदायक कपड़े पहनें, जो आपकी त्वचा को हवा लगने दें और आपको स्वतंत्रता से हिलने–डुलने में मदद करें। इसके अलावा एक अच्छी गुणवत्ता वाले पाइलेट्स मैट का इस्तेमाल करें ताकि आपकी पीठ और जोड़ों को अतिरिक्त सहारा मिल सके। अगर आप स्टूडियो में पाइलेट्स कर रहे हैं तो वहां के नियमों का पालन करें और आवश्यक निर्देशों का ध्यान में रखें।प्रशिक्षक से मार्गदर्शन लेंअगर आप पहली बार पाइलेट्स कर रहे हैं तो किसी अनुभवी प्रशिक्षक से मार्गदर्शन लेना बहुत जरूरी है। वह आपको सही तरीके सिखाएंगे और आपकी गलतियों को सुधारेंगे, जिससे आपका अभ्यास अधिक प्रभावी होगा। प्रशिक्षक आपकी शारीरिक स्थिति को समझकर आपको उपयुक्त सुझाव दे सकते हैं और आपको चोट से बचा सकते हैं। इसके अलावा वे आपको सही तरीके से सांस लेने की विधि भी सिखा सकते हैं, जिससे आपकी एक्सरसाइज और भी बेहतर हो सकेगी।धीरे–धीरे शुरू करेंपाइलेट्स करते समय धीरे–धीरे शुरू करना बहुत जरूरी है। शुरुआती दिनों में कम समय तक अभ्यास करें और धीरे–धीरे समय बढ़ाएं ताकि आपके शरीर को इसकी आदत हो सके। इसके अलावा कठिन आसनों को तुरंत न अपनाएं बल्कि पहले सरल आसनों पर ध्यान दें ताकि आपकी मांसपेशियां मजबूत हों और आप चोट से बचे रहें। नियमित अभ्यास से ही आप पाइलेट्स के सभी लाभ प्राप्त कर सकते हैं और अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं। सांसों पर ध्यान दें पाइलेट्स करते समय सांसों पर विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि यह व्यायाम मुख्य रूप से सांसों के साथ जुड़ा होता है। गहरी सांस लें और धीरे–धीरे छोड़ें, जिससे आपका शरीर ऊर्जा प्राप्त करेगा और आप अधिकतम लाभ पा सकेंगे। इसके अलावा सांसों की सही विधि से आपकी मांसपेशियां बेहतर तरीके से काम करेंगी और आप अधिक प्रभावी ढंग से अभ्यास कर सकेंगे।

किंग की रिलीज डेट आउट, क्रिसमस 2026 पर एक्शन के साथ दहाड़ेंगे शाहरुख खान

शाहरुख खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म किंग की रिलीज डेट का इंतजार खत्म हो गया है. शाहरुख खान के बर्थडे पर फिल्म का टीजर रिलीज हुआ थी और इसके बाद से फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार किया जा रहा था . शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर आकर फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार खत्म कर दिया है. शाहरुख ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर एक धांसू टीजर भी जारी किया है. फिल्म किंग साल 2026 में रिलीज होगी.शाहरुख खान ने फिल्म किंग की रिलीज डेट का एलान किया है. शाहरुख ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म किंग का एक एक्शन टीजर जारी किया है और जिसमें वह बर्फीली पहाड़ी में दिख रहे हैं. इसी के साथ शाहरुख का चेहरा खून से लथपथ हो रहा है और वह विलेन को पंच मारते दिख रहे हैं. फिल्म की रिलीज डेट की बात करें को किंग 24 दिसंबर 2026 में रिलीज होगी. यानी इस क्रिसमस पर फिल्म किंग बहुत बड़ा धमाका करने जा रही

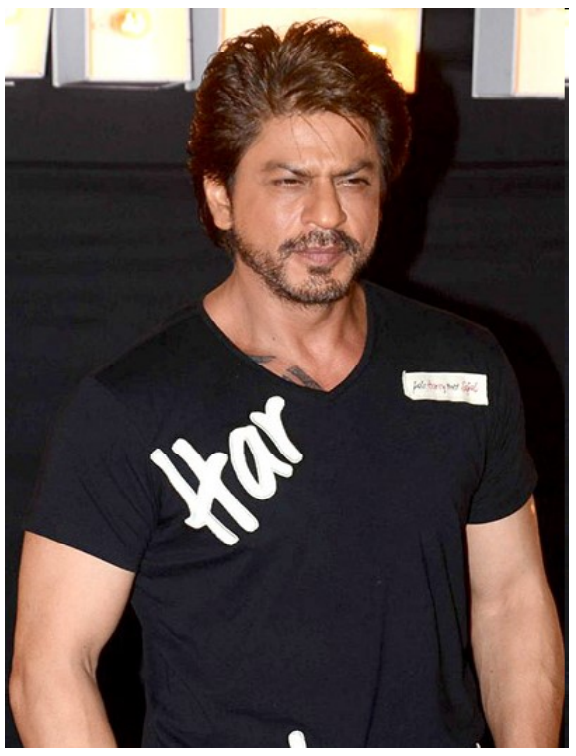

है. इस पोस्ट को शेयर कर शाहरुख खान ने लिखा है, किंग 24.12. 2026 को दहाड़ने के लिए तैयार है. अब शाहरुख के फैंस के बीच किंग रिलीज डेट से हल्ला मचने वाला है.रिपोर्ट्स की मानें तो, इस फिल्म से शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी. वहीं, शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण एक बार फिर रोमांस करते दिखेंगे. इनके अलावा फिल्म में अभय वर्मा, अरशद वारसी, अभिषेक बच्चन, जयदीप अहलावत और राघव जुयाल समेत कई बेहतरीन कलाकार हैं. अफवाहें यह भी हैं कि रानी मुखर्जी, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, सौरभ शुक्ला, अक्षय ओबेरॉय और करणवीर मल्होत्रा फिल्म का हिस्सा होंगे. फिल्म का निर्देशन पठान के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने किया है

बाक्स आफिस पर बार्डर 2 ने पार किया 70 करोड़ आंकड़ा, टाइगर जिंदा है को दी पटखनी

सनी देओल की नई फिल्म बॉर्डर 2 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई. अनुराग सिंह की निर्देशित, यह फिल्म भारत की सशस्त्र सेनाओं के असली ऑपरेशन्स पर आधारित है. यह फिल्म जबरदस्त फ्रंटलाइन एक्शन और जवानों के बलिदान को दिखाती है. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग की. वहीं, शनिवार यानी रिलीज के दूसरे दिन इसके कलेक्शन में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई. ओपनिंग डे के बाद दूसरे दिन भी बॉर्डर 2, सुल्तान को चारों खाने चित कर दिया. बॉर्डर 2 में सनी देओल लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर के रूप में नजर आए हैं, जो सैनिकों का नेतृत्व करते हैं. उनका अभिनय पिछली फिल्म की याद दिलाता है. दिलजीत दोसांझ ने फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों का किरदार निभाया है, जबकि अहान शेट्टी ने नेवी ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर जोसेफ नोरोन्हा का किरदार निभाया है. इनकी मौजूदगी एयर फोर्स और नेवी को जमीनी लड़ाई से जोड़ती है.वरुण धवन ने मेजर होशियार सिंह दहिया का किरदार निभाया है, जो एक बड़े युद्ध वाले रोल में नजर आए हैं. दिलचस्प बात यह है कि बॉर्डर 2 को अच्छे रिव्यू मिले हैं और यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है.

बॉर्डर के सीक्वल ने पहले ही दिन शानदार कमाई की. मेकर्स के अनुसार, बॉर्डर 2 ने पहले दिन 32.10 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया. ये आंकड़े पिछले साल रिलीज हुई विक्की कौशल की फिल्म छावा (31 करोड़ रुपये) और रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर (28 करोड़ रुपये) जैसी फिल्मों को पार कर गई. इसी के साथ बॉर्डर 2 इस साल की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्मों में से एक बन गई है.शनिवार को फिल्म की

कमाई में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली. मेकर्स द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार, बॉर्डर 2 ने दूसरे दिन लगभग 40.59 करोड़ रुपये कमाए है. इसके साथ, घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बॉर्डर 2 का कुल कलेक्शन 72.69 करोड़ रुपये हो गया है. यह बढ़ता हुआ ट्रेंड बताता है कि फिल्म को छुट्टियों के मौसम और पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ का फायदा मिला है, खासकर फैमिली ऑडियंस और वॉर ड्रामा के फैंस के बीच. उम्मीद है कि यह फिल्म वीकेंड पर 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी.ओपनिंग डे के बाद बॉर्डर 2 दूसरे दिन भी धुरंधर को पछाड़ दिया. इसके अलावा इसने सलमान खान ब्लॉकबस्टर फिल्म सुल्तान को भी पीछे छोड़ दिया है. धुरंधर ने रिलीज के दूसरे 32 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया था, जबकि टाइगर जिंदा है ने पहले शनिवार को 35.3 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था. अनुराग सिंह की निर्देशित, बॉर्डर 2 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है.

ओ रोमियो का पहला गाना रिलीज, शाहिद-तृप्ति की दिखी रोमांटिक केमिस्ट्रीय अरिजीत की आवाज ने बिखेरा जलवा

शाहिद कपूर की आगामी फिल्म ओ रोमियो का पहला गाना हम तो तेरे ही लिए थे आज रिलीज हो गया है। इसके साथ ही विशाल भारद्वाज और गुलजार की जोड़ी एक बार फिर लौटी है, वो भी अरिजीत सिंह की आवाज के साथ। पिछले दिनों रिलीज हुए फिल्म के टीजर में इस गाने की एक लाइन सुनने के बाद से ही फैंस गाने का बेसब्री से इंतजार

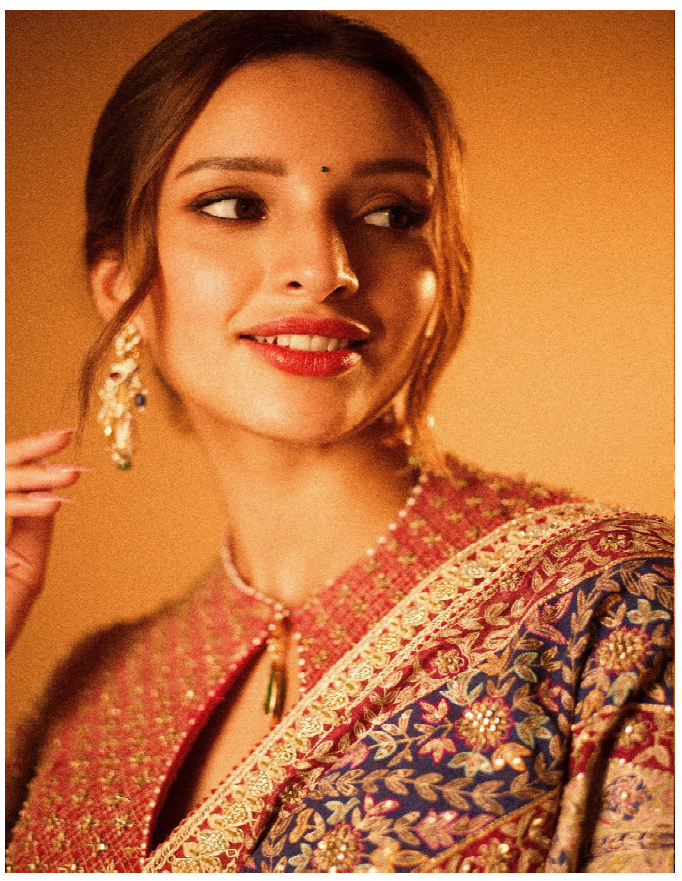

कर रहे थे। अब आज मेकर्स ने ये गाना रिलीज कर दिया है। गाने में तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिली है। ये जोड़ी पहली बार किसी फिल्म में साथ नजर आ रही है। लेकिन गाने में दोनों की केमिस्ट्री देखकर ऐसा लगता है कि ये जोड़ी दर्शकों को पसंद आ सकती है। गाने की शुरुआत में तृप्ति डिमरी का किरदार कहता है, श्कोई कैसे किसी से इतना प्यार कर सकता है। गाने में प्यार, रोमांस, केयर और इमोशन सबकुछ देखने को मिलता है। शाहिद का रफ लवर का लुक काफी जचता है। वहीं एक झलक अविनाश तिवारी की भी दिखती है।हमेशा की तरह इस बार भी विशाल भारद्वाज की फिल्म में संगीत उन्हीं का है और गाने को लिखा गुलजार ने ही है। इस गाने को आवाज दी है प्यार का पर्याय बन चुके अरिजीत सिंह ने। गाना स्लो–रोमांटिक सॉन्ग है, जिसे आप सुनकर सुकून महसूस कर सकते हैं। विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित श्ओ रोमियोय 13 फरवरी को वेलेंटाइन वीक में रिलीज होगी। फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के अलावा एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। इसमें नाना पाटेकर, विक्रांत मैसी, अविनाश तिवारी, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया और फरीदा जलाल जैसे सितारे शामिल हैं। पिछले दिनों फिल्म का टीजर जारी हुआ था, जिसे काफी पसंद किया गया। अब दर्शक फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

दुलकर सलमान की अपकमिंग फिल्म आई एम गेम का फर्स्ट

लुक आउट, अभिनेता का इंटेंस लुक देख गदगद हुए लोग

स्टार एक्टर दुलकर सलमान अपनी धांसू एक्टिंग से लिए जाने जाते हैं। उन्होंने एक से एक फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेरा है। दुलकर सलमान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म आई एम गेम की वजह से चर्चा में है। इस फिल्म को देखने के लिए लोग काफी बेताब है। इस बीच फिल्म का फर्स्ट लुक आउट हो गया है, जो कि इंटरनेट वर्ल्ड में धड़ल्ले से वायरल हो रहा है। दुलकर सलमान का लुक देखकर फैंस सातवें आसमान पर चले गए है। स्टार एक्टर दुलकर सलमान की मलयालम फिल्म आई एम गेम का फर्स्ट लुक आ गया है। मेकर्स ने पोस्टर रिलीज किया, जिसमें दुलकर सूट–बूट में गन थामे मिशन पर निकलते दिख रहे हैं।दुलकर ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा– होमकमिंग फिल्म किंग ऑफ कोठा के बाद ये उनकी मलयालम में बड़ी वापसी है। इस फिल्म को नहास हिदायत डायरेक्ट कर रहे हैं। उन्होंने फिल्म के बारे में कहा, मैं खुद थिएटर में दुलकर को देखने का इंतजार कर रहा हूं। हम वही देना चाहते हैं जो ऑडियंस को चाहिए। भरपूर एक्शन और इंटेंस सीन हैं,

भाबीजी घर पर हैं फिल्म का ट्रेलर रिलीज, दो भोजपुरी स्टार्स की हुई एंट्रीय कामेडी के साथ लगेगा हारर का तड़का

पिछले लगभग एक दशक से टीवी का लोकप्रिय शो श्भाबीजी घर पर हैंय अब एक फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रहा है। पिछले साल निर्माताओं ने इस लोकप्रिय सिटकॉम पर आधारित एक फीचर फिल्म की घोषणा करके प्रशंसकों को चौंका दिया था। अब इंतजार खत्म हुआ और निर्माताओं ने आज फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। इसमें रवि किशन और मुकेश तिवारी की नई एंट्री हुई है, जबकि दिनेश लाल यादव निरहुआ की भी झलक दिखती है।

ट्रेलर की शुरुआत ही होती है फेमस डायलॉग श्भाबीजी घर पर हैंय से। ट्रेलर की शुरुआत में ही नजर आते हैं विभूति नारायण (आसिफ शेख) और मनमोहन तिवारी (रोहिताश गौर) के साथ। इसके बाद शुरू में ही ट्रेलर में रवि किशन और शुभांगी आत्रे की भी झलक दिखती है। इसके बाद सीरियल की तरह यहां भी ये दोनों किरदार हमेशा की तरह मजेदार बहाने बनाते हुए एक–दूसरे की पत्नियों के करीब रहने के तरीके खोजते नजर आते हैं। विभूति अपने खास मजाकिया अंदाज में अंगूरी तिवारी के पास दूध मांगने जाता है, जबकि मनमोहन तिवारी अन्नू मिश्रा (विदिशा श्रीवास्तव) से कुछ चीनी उधार लेने के लिए जाते हैं। विभूति कहते हैं, श्दूधवाले के पास दूध खत्म हो गया था, तो मैंने सोचा कि क्या भाभी जी मुझे थोड़ा दूध दे सकती हैं।य कुछ देर बाद मनमोहन तिवारी को यह कहते हुए सुना जाता है, श्घर में चीनी खत्म हो गई है, तो मैंने सोचा कि क्या मैं भाभी जी से थोड़ी उधार ले सकता हूं। इसके बाद ट्रेलर में एंट्री होती है रवि किशन और मुकेश तिवारी की। दोनों फिल्म में गुंडे बने हुए हैं। प्यार को तलाश रहे ये दोनों अंगूरी और अन्नू के प्यार में पड़ जाते हैं। इसके बाद शुरू होता है असली हंगामा। ट्रेलर में एक सीन में ये दोनों गुंडे विभूति और मनमोहन तिवारी को बंदूक की नोक पर धमकाते हैं और उनकी बीवियों को जबरन शादी के लिए मजबूर करते हैं। इस फिल्म को हॉरर–कॉमेडी बनाने का प्रयास किया गया है। ट्रेलर में दिखता है कि अंगूरी भाभी पर अचानक भूत आ जाता है। इसके साथ ही ट्रेलर खत्म होता है। ट्रेलर में सीरियल के कई लोकप्रिय किरदार भी नजर आते हैं। जिनमें सानंद वर्मा सक्सेना के रूप में, योगेश त्रिपाठी दारोगा हप्पू सिंह के रूप में और सोमा राठौड़ रामकली तिवारी के रूप में शामिल हैं।शशांक बाली द्वारा निर्देशित इस फिल्म को शशांक ने रघुवीर शेखावत और संजय कोहली के साथ

मिलकर लिखा है। यह फिल्म 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। देखना ये है कि टीवी पर लोकप्रिय होने के बाद पर्दे पर श्भाबीजी घर पर हैंय क्या कमाल दिखा पाती है।

इश्कां दे लेखे मेरे लिए एक सपना है, जिसे मैंने हर दिन जिया है- ईशा मालवीय

अभिनेत्री ईशा मालवीय अब अपने करियर का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय शुरू करने जा रही हैं। लंबे समय तक अभिनय में मेहनत और तैयारी के बाद, वह अब बड़े पर्दे पर कदम रख रही हैं और अपनी पहली पंजाबी फिल्म इश्कां दे लेखे के जरिए दर्शकों से रूबरू होंगी। उनके लिए यह फिल्म केवल डेब्यू नहीं है, बल्कि उनका एक ऐसा सपना है जिसे उन्होंने हर दिन जिया है। ईशा ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए शब्दों से ज्यादा मायने रखती है। कैमरे के सामने खड़े होना मेरे लिए भावुक भरा अनुभव रहा। यह फिल्म मेरे दिल के करीब है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को भी वही प्यार और ईमानदारी महसूस होगी जो हमने इस फिल्म को बनाते समय महसूस की थी। यह फिल्म एक डेब्यू से कहीं ज्यादा हैय यह एक सपना है जिसे मैंने हर दिन जिया है!ष इस फिल्म में पंजाबी सिनेमा के मशहूर अभिनेता गुरनाम भुल्लर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वहीं इस फिल्म का निर्देशन मनवीर बरार कर रहे हैं। इस फिल्म की कहानी जस्सी लोहका ने लिखी है। इश्कां दे लेखे एक रोमांटिक प्रेम कहानी है, जो 6 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।ईशा की बात करें तो, उन्होंने 13 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू की थी। साथ ही कई ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा भी लिया था। साल 2021 में टेलीविजन शो उड़ारियां से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने जैस्मीन का किरदार निभाया था। इस शो में उनके साथ अभिनेता अंकित गुप्ता और प्रियंका चाहर चौधरी भी मुख्य भूमिकाओं में थे।इसके बाद ईशा को साल 2023 में सलमान खान के होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो बिग बॉस के 17वें सीजन में देखा गया। अभिनेत्री पांव की जुत्ती, पांव की जुत्ती, और शेकी शेकी जैसे म्यूजिक वीडियो से लोकप्रियता हासिल कर चुकीं हैं। वह लवली लोला, पति पत्नी और पंगा, और लाफ्टर शेफ्स में नजर आईं।

गोविंदा के लाडले यशवर्धन आहूजा को बालीवुड में लान्च करेंगे साजिद खान, नितांशी गोयल होंगी जोड़ीदार

बॉलीवुड के चीची यानी गोविंदा के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। खास बात ये है कि उन्हें निर्देशक साजिद खान अपनी अगली फिल्म के जरिए बॉलीवुड में लॉन्च करने जा रहे हैं। साजिद की इस हॉरर थ्रिलर फिल्म का नाम हंड्रेड बताया जा रहा है, जिसकी शूटिंग मुंबई की फिल्म सिटी में शुरू हो चुकी है।रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म में यशवर्धन के साथ लापता लेडीज से अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकीं प्रतिभाशाली अभिनेत्री नितांशी गोयल मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। 23 जनवरी को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर फिल्म का मुहूर्त किया गया। अपनी ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फिल्मों के लिए मशहूर साजिद इस बार एक हॉरर कहानी के साथ दर्शकों को डराने और यशवर्धन के रूप में इंडस्ट्री को एक नया हीरो देने के लिए पूरी तरह

तैयार हैं।फिल्म हंड्रेड को बॉलीवुड के दिग्गजों का साथ मिल रहा है। इसे एकता कपूर और शोभा कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स और मशहूर निर्माता अमर बुटाला मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। अमर बुटाला इंडस्ट्री का एक प्रतिष्ठित नाम हैं, जिन्होंने इससे पहले साल 2023 में सिद्धार्थ मल्होत्रा की मिशन मजनू बनाई थी। इसके अलावा वो बजरंगी भाईजान, केसरी, मिशन मंगल, टोटल धमाल और ट्यूबलाइट जैसी बड़ी फिल्मों के सह–निर्माता भी रह चुके हैं। साजिद के लिए ये फिल्म एक तरह से घर वापसी की तरह है। भले ही साजिद को हाउसफुल जैसी कॉमेडी फिल्मों के लिए जाना जाता है, लेकिन उनके निर्देशन सफर की शुरुआत वास्तव में हॉरर से ही हुई थी। शायद आप इस बात से वाकिफ न हों कि उन्होंने साल 2006 में आई हॉरर फिल्म डरना जरूरी है की एक लघु कहानी का निर्देशन किया था। अब करीब 2 दशक बाद वो फिर उसी जॉनर में वापसी कर रहे हैं।फिल्म की शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले साजिद खान अपनी सेहत को लेकर चर्चा में थे। दिसंबर 2025 में एक फिल्म सेट पर काम के दौरान साजिद के पैर में गंभीर चोट लग गई थी। अगले ही दिन उनकी सफल सर्जरी हुई। इस मुश्किल समय में उनकी बहन और मशहूर कोरियोग्राफर–डायरेक्टर फराह खान ने प्रशंसकों को बताया था कि सर्जरी सफल रही है और साजिद अब ठीक हो रहे हैं।

बता दें कि यशवर्धन का बॉलीवुड डेब्यू तेलुगू फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक से होना था, लेकिन ये प्रोजेक्ट फिलहाल रुक गया है। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले बाबिल खान ने निर्देशक साई राजेश से विवाद और निजी कारणों के चलते प्रोजेक्ट छोड़ दिया, जिसके बाद निर्माता–निर्देशक ने फिल्म का काम रोक दिया और यशवर्धन का डेब्यू अटक गया। अब आखिरकार साजिद की नई फिल्म हंड्रेड के साथ बतौर हीरो यशवर्धन के करियर की नई शुरुआत हो रही है।

द 50 प्रिंस नरुला के बाद अब युविका चौधरी को मिला लायन का टिकट

रियलिटी शो द 50 जल्द ही दर्शकों के बीच दस्तक देने वाला है। यह शो इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें 50 सेलेब्स नजर आएंगे। कुछ के नामों की घोषणा हो गई है, तो कुछ का अभी पता लगना बाकी है। शो में कई बड़े नाम कंफर्म हो चुके हैं, जिनमें करण पटेल, दिव्या अग्रवाल, प्रिंस नरुला, फैसल शेख (मिस्टर फैसू), दिव्या अग्रवाल, अर्चना गौतम, मोनालिसा और उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत और प्रतीक सहजपाल, ऋद्धि डोगरा और

उर्वशी ढोलकिया, चाहत पांडे और नीलम गिरी समेत कई कंटेस्टेंट के नाम शामिल हैं। इस लिस्ट में अब अभिनेत्री युविका चौधरी का नाम जुड़ गया है। युविका, जो अभिनेता प्रिंस नरुला की पत्नी हैं, उन्होंने खुद शुक्रवार को इंस्टाग्राम के जरिए जानकारी दी कि उन्हें भी लायन का टिकट मिल गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वे काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। वीडियो में युविका कहती हैं, इसी का तो मुझे बेसब्री से इंतजार था। 7 साल हो गए मुझे एक रियलिटी शो किए। मैं इंतजार कर रही थी एक ऐसे बेहतर शो का जो मेरी काबिलियत से मैच करे, जो मुझे हर पल चौलेंज करे। अब आखिरकार वो मौका मिल गया। मैं आ रही हूं आप सबको चौलेंज करने और ये दिखाने के लिए कि युविका चौधरी किसी से कम नहीं है। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, एक नई शुरुआत। द 50 के लिए बहुत उत्साहित हूं।

खबर सुनने के बाद प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। शो में प्रिंस नरुला भी नजर आएंगे, और युविका के जाने से शो में पावर कपल का जलवा एक बार फिर देखने को मिलेगा। दोनों साथ में शो में एंट्री कर रहे हैं। यह शो 1 फरवरी से जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर प्रसारित होगा। यह शो दर्शकों और कंटेस्टेंट को एक नया और अलग अनुभव देने वाला है। अब देखना होगा कि यह शो दर्शकों को कैसा लगेगा।

कंगना रानावत ने विक्टोरिया बेकहम को बताया श्रियल क्वीन,

कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर 2007 के रियलिटी टीवी स्पेशल विक्टोरिया बेकहमरू कमिंग टू अमेरिका का एक क्लिप शेयर किया। वीडियो में विक्टोरिया बेकहम को अपने ड्राइविंग लाइसेंस की तस्वीर को एक प्रोफेशनल फोटोशूट की तरह लेते हुए दिखाया गया है।बॉलीवुड की श्क्वीनश और सांसद कंगना रनौत अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जानी जाती हैं। इस बार उन्होंने सात समंदर पार चल रहे हॉलीवुड के सबसे चर्चित पारिवारिक विवाद– बेकहम परिवार के श्सास–बहू ड्रामेश– में अपनी एंट्री की है। कंगना ने मशहूर फैशन डिजाइनर और पूर्व स्पाइस गर्ल विक्टोरिया बेकहम का खुलकर समर्थन किया है। कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर 2007 के रियलिटी टीवी स्पेशल विक्टोरिया बेकहमरू कमिंग टू अमेरिका का एक क्लिप शेयर किया। वीडियो में विक्टोरिया बेकहम को अपने ड्राइविंग लाइसेंस की तस्वीर को एक प्रोफेशनल फोटोशूट की तरह लेते हुए दिखाया गया है। फुटेज में, क्डट के स्टाफ को उन्हें यह याद दिलाते हुए सुना जा सकता है कि वे उनकी फोटो को ष्रीटचष नहीं कर सकते। कंगना का श्टीम विक्टोरियाश को सपोर्ट कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर विक्टोरिया बेकहम के 2007 के एक पुराने रियलिटी शो का वीडियो साझा किया, जिसमें विक्टोरिया ड्राइविंग लाइसेंस के लिए फोटो खिंचवाने को भी एक श्प्रोफेशनल फोटोशूटश की तरह देख रही हैं। इस वीडियो के साथ कंगना ने लिखा अपना ड्राइविंग लाइसेंस बनवा रही हैं (हंसने वाली इमोजी)... देखो, कोई भी सास–बहू ड्रामा मुझे विक्टोरिया से नफरत नहीं करवा सकता। वह बहुत शानदार हैं। जो इंसान ड्राइविंग लाइसेंस की फोटो को भी फोटोशूट समझ सकता है,।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।